राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

हमारा मैट्रो

www.hamarametro.com

E-mail.: hamarametro@gmail.com

● वर्ष : 15 ● अंक : 291 ● नई दिल्ली ● बुधवार, 18 अक्टूबर 2023, ● प्रभात संस्करण ● मूल्यः 2 रुपया ● पृष्ठः 8

यूपी वालों के लिए खुशखबरी

दीपावली से महिलाओं को साल में 2 फ्री गैस सिलेंडर देगी योगी सरकार

दीपावली के बाद होली में भी मिलेगा फ्री गैस सिलेंडर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने चुनाव से पहले अपने घोषणा पत्र में बड़ा ऐलान किया था, जिसमें बीजेपी ने महिलाओं के लिए साल में 2 गैस सिलेंडर मुफ्त देने की घोषणा की है। जिसकी शुरुआत अब लगभग डेढ़ साल बाद इस दीपावली से होने जा रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव ने इस योजना से संबंधित प्रस्ताव पर विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में

लगभग 1 करोड़ 75 लाख उज्जवला योजना के तहत वाले गैस कनेक्शन हैं। इस साल की दीपावली के अवसर पर पहली बार फ्री गैस सिलेंडर का पैसा इन गैस कनेक्शन धारकों के खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर यानी डीबीटी के जरिए भेजा जाएगा। बीते सोमवार को लखनऊ में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में इस पर फैसला लिया गया। आपको बता दें कि इस फैसले से पहले नियमानुसार एक प्रेजेंटेशन मुख्य सचिव को दिया गया था और इस विषय में सरकार ने पैसे का इंतजाम भी किया है। खाद्य एवं रसद विभाग के इस प्रस्ताव पर जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी ली जाएगी। बताया जा रहा है कि उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाओं को दीपावली से पहले एक स्च्ळ सिलेंडर मुफ्त दिया जाएगा। इसी तरह एक मुफ्त सिलेंडर होली में भी दिया जाएगा। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान अपने घोषणा पत्र में उज्जवला योजना की लाभार्थी महिलाओं को होली और दीपावली पर फ्री रसोई गैस सिलेंडर देने की घोषणा की थी। जिसके लिए बीते सेला उज्जवला लाभार्थियों को दीपावली और होली पर फ्री गैस सिलेंडर देने के लिए बजट में 3300 करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रावधान किया गया था।

वैश्विक समुद्री उद्योग के कायाकल्प का सामर्थ्य है आईएमईसी में : मोदी

नयी दिल्ली/मुंबई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी–20 के नये भारत मध्य पूर्व यूरोप कॉरीडोर (आईएमईसी) को विश्व भर के समुद्री उद्योग का कायाकल्प करने में सक्षम बताते हुए निवेशकों एवं कारोबारियों को इससे जुड़ने के लिए आमंत्रित किया है। मोदी ने आज मुंबई में आयोजित ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया सम्मेलन के तीसरे संस्करण का नयी दिल्ली से वीडियो लिंक के माध्यम से उद्घाटन करने के बाद समारोह को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, केन्द्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल आदि उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने भारतीय समुद्री नीली अर्थव्यवस्था के लिए एक खाका श्अमृत काल विजन 2047श् को भी जारी किया। इस योजना के अनुरूप प्रधानमंत्री ने 23 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जो भारतीय समुद्री नीली अर्थव्यवस्था के लिए 'अमृत काल विजन 2047' के अनुरूप हैं। मोदी ने गुजरात में दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण में साढ़े चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित होने वाले टूना टेकरा ऑल वेदर डीप ड्राफ्ट टर्मिनल की आधारशिला भी रखी। इस अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड टर्मिनल को सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से विकसित किया जाएगा। इस टर्मिनल के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र के रूप में उभरने की संभावना है। यह टर्मिनल 18 हजार टीईयू (बीस फुट के बराबर इकाई) से अधिक भावी पीढ़ी के जहाजों का रख–रखाव करेगा, और भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) के माध्यम से भारतीय व्यापार के लिए प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करेगा। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री की उपस्थिति में समुद्री क्षेत्र में वैश्विक और राष्ट्रीय साझेदारी के लिए 7 लाख करोड़ से अधिक के 300 से अधिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गये। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री मोदी ने कहा कि 2021 में पूरी दुनिया कोरोना की अनिश्चितता से घिरी हुई थी। कोई नहीं जानता था, कि कोरोना के बाद का विश्व कैसा होगा। लेकिन आज दुनिया में एक नया वैश्विक व्यवस्था आकार ले रहा है और इस बदलते हुए बैश्विक व्यवस्था में पूरा विश्व भारत की ओर नई आकांक्षाओं से देख रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक संकट से घिरी दुनिया में भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की चोटी की तीन आर्थिक शक्तियों में से एक होगा। हम सब जानते हैं कि दुनिया का अधिकतर व्यापार, समुद्री मार्गों से ही होता है। कोरोना पश्चात काल में आज दुनिया को भी भरोसेमंद और टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखलाओं की जरूरत है। इसीलिए ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया सम्मेलन का ये संस्करण बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। मोदी ने कहा कि इतिहास साक्षी है कि जब भी भारत की समुद्री क्षमता मजबूत रही है, देश और दुनिया को इससे बहुत लाभ हुआ है। इसी सोच के साथ बीते 9–10 वर्षों से हम इस क्षेत्रको सशक्त करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहे हैं। हाल ही में, भारत की पहल पर एक ऐसा कदम उठाया गया है, जो 21वीं सदी में दुनिया भर की समुद्री उद्योग के कायाकल्प का सामर्थ्य रखता है। जी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरीडोर (आईएमईसी) पर ऐतिहासिक सहमति बनी है। सैकड़ों वर्ष पहले रेशम मार्ग ने वैश्विक व्यापार को गति दी थी, ये मार्ग दुनिया के कई देशों के विकास का आधार बना था। अब ये ऐतिहासिक कॉरीडोर भी क्षेत्रीय और वैश्विक व्यापार की तस्वीर बदल देगा। अगली पीढी के विशाल बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, इसका निर्माण, द्विपीय विकास, अंतरदेशीय जलमार्गों, मल्टी मॉडल हबों का विस्तार, ऐसे कई बड़े काम इस योजना के तहत किए जाने हैं। इस कॉरीडोर से कारोबारी लागत कम होगी, दक्षता बढ़ेगी, पर्यावरण का नुकसान कम होगा और बड़ी संख्या में रोज़गार का भी निर्माण होगा। निवेशकों के पास ये एक बड़ा अवसर है कि वो भारत के साथ जुड़कर इस अभियान का हिस्सा बनें। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत, अगले 25 वर्षों में विकसित होने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। हम हर क्षेत्रमें क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहे हैं।

वॉक्हार्ट अस्पताल द्वारा बच्चों के लिए हाथ स्वच्छता का आयोजन

विनय महाजन

मुंबई। मीरा रोड (मुंबई) ग्लोबल हैंडवाशिंग दिवस के अवसर पर मीरा रोड के वॉक्हार्ट अस्पताल द्वारा स्कूल के बच्चों को हाथ स्वच्छता के महत्व की जानकारी देने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में १,००० से अधिक बच्चे शामिल हुए थे। बीमारीओं से लडने के लिए हाथों की स्वच्छता काफी जरूरी हैं। क्योंकी हाथ स्वच्छ रखकर हम बिमारीयां नियंत्रण में रख सकते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए बच्चों को स्वच्छता के बारे में जागरूक करने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस आयोजन ने युवा मन में सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने में मदद की। दूषित हाथों से फैलने वाली बीमारियों के बारे में इस कार्यक्रम में चर्चा की गई।

समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की गुहार मंगलवार को ठुकरा दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग तीन–दो के बहुत से खारिज कर दी जबकि हिंसा, जबरदस्ती या हस्तक्षेप के किसी भी खतरे के बिना सहवास के उनके अधिकार को बरकरार रखा। संविधान पीठ ने बहुमत के फैसले में कहा कि कानून समान लिंग वाले जोड़ों के विवाह के अधिकार को मान्यता नहीं देता है। इस पर कानून बनाना संसद पर निर्भर है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति कौल ने विवाह के अधिकार को पढ़ा और ऐसे समान लिंग वाले जोड़ों को परिणामी लाभ देने के अपने अधिकार को बरकरार रखा। दूसरी ओर न्यायमूर्ति भट, न्यायमूर्ति कोहली और न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने समान लिंग वाले जोड़ों की शादी को मान्यता देने से इनकार कर दिया। संविधान पीठ के सदस्यों ने हालांकि एकमत से केंद्र सरकार के इस बयान को रिकॉर्ड में लिया कि वह समलैंगिक जोड़ों को दिए जाने वाले अधिकारों और लाभों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक समिति का गठन करेगी। बच्चा गोद लेने के मामले में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति कौल ने समलैंगिक जोड़ों को अधिकार दिया, लेकिन अन्य तीन न्यायाधीशों इस दृष्टिकोण से असहमति जताई और समलैंगिक तथा अविवाहित जोड़ों को गोद लेने से बाहर रखने वाले सीएआरए नियमों की वैधता को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट, न्यायमूर्ति हेमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की संविधान पीठ ने 10 दिनों तक संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 11 मई 2023 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी थी कि समलैंगिक विवाह को मान्यता न देना समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा के अधिकारों का उल्लंघन है। याचिका में यह भी कहा गया कि शीर्ष अदालत को इस समुदाय की सामाजिक सुरक्षा और अन्य कल्याणकारी लाभों तक पहुंच के लिए उचित निर्देश भी पारित करने चाहिए। केंद्र सरकार ने याचिकाकर्ताओं का पुरजोर विरोध किया था। सरकार ने दलील देते हुए कहा था कि याचिकाकर्ताओं की मांग को अनुमति देने से व्यक्तिगत कानूनों के मामले में बेहद खराब स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। शीर्ष अदालत में सरकार ने यह भी कहा था कि इस विषय को विधायिका द्वारा (केवल इसके व्यापक परिणामों के कारण) ही संभाला जा सकता है। केंद्र सरकार ने यह भी दावा किया था सिर्फ सात राज्यों ने समलैंगिक विवाह के मसले पर उसके सवाल का जवाब दिया है। इनमें राजस्थान, आंध्र प्रदेश और असम ने ऐसे विवाहों के लिए कानूनी मंजूरी की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं के तर्क का विरोध किया है।

सेना की गरिमा को ठेस पहुंचा रही है मोदी सरकार : खडगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार सेना की प्रतिष्ठा का ध्यान रखे बिना अपनी सरकार के कार्यों की उपलब्धियों का प्रचार के लिए उसका इस्तेमाल कर रही है और

उसका यह कदम सेना के शौर्य को ठेस पहुंचाने वाला है। खडगे ने ट्वीट किया "राष्ट्र की सुरक्षा करने वाले हमारे भारतीय सेना के वीर जवानों की लोकप्रियता को भुनाकर मोदी जी स्वयं का प्रचार करवा रहें हैं। चुनाव में सेना का राजनीतिक इस्तेमाल करके मोदी सरकार ने वो किया है जो 75 सालों में कभी नहीं हुआ है।" उन्होंने कहा "मोदी सरकार ने, सेना को देशभर में 822 ऐसे सेल्फी पॉइंट लगाने को कहा है जो सरकारी योजनाओं का प्रचार करे। इन झांकियों में सैनिकों के पराक्रम की गाथा के बजाय प्रधानमंत्री मोदी जी की बुतनुमा तस्वीर है और उनकी योजनाओं का गुणगान है।" खडगे ने कहा "भारतीय सेना के शौर्य एवं बलिदान पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को बेहद गर्व है। राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने वाली भाजपा ने भारतीय सेना की गरिमा को चोट पहुंचाई है।"

महाराणा प्रताप के वंशज हुए भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान में विधानसभा चुनावों के पहले आज यहां महाराणा प्रताप के वंशज विश्वराज सिंह मेवाड़ और करणी सेना के प्रमुख रहे स्वर्गीय लोकेंद्र सिंह कालवी के पुत्र श्री भवानी सिंह कालवी आज यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गये। भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राजस्थान प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सी पी जोशी और सांसद दीया कुमारी की मौजूदगी में दोनों शख्सियतों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। राजस्थान में विधानसभा चुनाव 25 नवंबर को होने हैं और मतगणना तीन दिसंबर को होगी। भाजपा ने राजस्थान विधानसभा की 200 सीटों में से 41 सीटों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है और बाकी उम्मीदवारों की घोषणा भी शीघ्र होने की संभावना है।

एशियन गेम्स में जीत हासिल करने वाली ऐश्वर्या को किया गया सम्मानित

विनय महाजन

मुंबई। एशियन गेम्स 2023 में भारत अपनी ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रहा है. वही मुंबई मे रेयान इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने एशियाई खेल-2023 में 4x400 मीटर रिले में रजत पदक जीतने की उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए अपनी पूर्व छात्रा ऐश्वर्या कैलाश मिश्रा को बहुत खुशी और गर्व के साथ सम्मानित किया। सम्मान समारोह ऐश्वर्या के सेंट मैरी हाई स्कूल, दहिसर में आयोजित किया गया।

जो प्रतिष्ठित रयान इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का हिस्सा है। रेयान इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक डॉ.स्नेहल पिंटो प्राचार्य, शिक्षक एवं परिषद सदस्य उपस्थित थे।

छात्रों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान, ऐश्वर्या ने एथलेटिक्स में अपनी यात्रा साझा की, जो कक्षा पांच में शुरू हुई जब उन्होंने रयान इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा आयोजित रयान मिनियन जीता। जब उनसे उनकी सफलता के रहस्य के बारे में पूछा

गया, तो उन्होंने अनुशासन, ध्यान केंद्रित करने और स्वयं के प्रति सच्चे रहने के महत्व पर जोर दिया। ऐश्वर्या ने छात्रों को ईश्वर में आस्था रखने, अपने माता-पिता का सम्मान करने और अपने दिल और अंतरात्मा की आवाज सुनने के लिए भी प्रोत्साहित किया, क्योंकि वे जानते हैं कि वे वास्तव में क्या चाहते हैं। उन्होंने असफलताओं को जीवित रहने के मूल्यवान सबक में बदलने का अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा किया।

ऐश्वर्या के अल्मा मेटर में हर कोई उन्हें देखकर बहुत खुश हुआ और 2024 ओलंपिक में उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। ऐश्वर्या की उपलब्धियां रयान इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. एएफ पिंटो एवं प्रबंध निदेशक महोदया डॉ. पिंटो दूरदर्शिता और समर्पण की अभिव्यक्ति है। समय शिक्षा के मुख्य पाठ्यक्रम के रूप में खेलों के एकीकरण के माध्यम से, रायन समूह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सफलता के लिए एथलीटों का पोषण करता है।

देश की पहली रीजनल ट्रेन सर्विस की होने जा रही शुरूआत, 20 अक्टूबर को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की पहली क्षेत्रीय ट्रेन सेवा रैपिडएक्स शुक्रवार यानी 20 अक्टूबर को 17 किलोमीटर की दूरी पर शुरू होने वाली है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी उस दिन गाजियाबाद में दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) पर इस खंड का उद्घाटन करेंगे। पूरा गलियारा 2025 तक चालू हो जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 अक्टूबर को उद्घाटन से पहले रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना के साहिबाबाद स्टेशन का निरीक्षण किया था। पहले चरण में साहिबाबाद, गाजियाबाद गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो समेत पांच स्टेशनों पर परिचालन होगा। प्रधानमंत्री के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ साहिबाबाद में आरआरटीएस ट्रेन में सवारी करने की संभावना है। दुहाई डिपो पहुंचने के बाद वे उसी ट्रेन से साहिबाबाद लौटेंगे। आरआरटीएस परियोजना को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। अब से अगले छह महीनों में, RAPIDX नेटवर्क में 25 किमी और जोड़ दिए जाएंगे। मुरादनगर, मोदीनगर उत्तर, मोदीनगर दक्षिण और मेरठ दक्षिण स्टेशन परिचालन के लिए तैयार होंगे। दिल्ली–मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर 2025 में पूरा होने पर केवल एक घंटे में 82 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। NCRTC के अनुसार, RAPIDX सेवाएं देश की पहली रेलवे प्रणाली होगी जिसकी पूरी लंबाई के साथ अधिकतम परिचालन गति 160 किमी प्रति घंटा होगी। आरआरटीएस मार्ग पर रैपिडएक्स ट्रेनों की औसत गति 100 किमी प्रति घंटे होगी, जो मेट्रो ट्रेनों और भारतीय रेलवे की यात्री ट्रेनों दोनों को पार कर जाएगी। इस साल जून में मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त ने RAPIDX सेवा को मंजूरी दे दी है।

तमिलनाडु : पटाखा फैक्ट्रियों में विस्फोट से 11 लोगों की मौत

विरुधुनगर, 17 अक्टूबर (वार्ता) तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में मंगलवार को दो पटाखा फैक्ट्रियों में विस्फोट होने से नौ महिलाओं सहित 11 लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि आज दोपहर श्रीविल्लिपुथुर के पास रंगमपलयम में कनिष्कर फायरवर्क्स फैक्ट्री में अचानक हुए विस्फोट से नौ महिलाओं सहित 10 श्रमिकों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिस समय यह हादसा हुआ उस समय श्रमिक फैंसी किस्म के पटाखे बनाने में इस्तेमाल होने वाले अत्यधिक ज्वलनशील रसायनों को मिलाने के काम में जुटे हुए थे। एक अन्य घटना में, शिवकाशी के पास किचनाइकेनपट्टी गांव में एक निजी पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए। दोनों फैक्ट्रियों में पहुंचे दमकल ने कुछ घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। वरिष्ठ राजस्व और पुलिस अधिकारी बचाव कार्यों की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे।

संपादकीय

इजराइल-फिलिस्तीन झगड़े में विश्वगुरु बनने की चाहत!

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच छिड़ी जंग से कट्टर हिन्दू और कट्टर मुसलमान दोनों बहुत खुश हैं। ऐसे हिन्दुओं को इस बात में मजा आ रहा है कि मुसलमान मारे जा रहे हैं और मुसलमानों को इस बात में कि उनके लोग यहूदियों को सबक सिखा रहे हैं। इन दोनों फिरकों को कतई ये बुरा नहीं लग रहा है कि आखिर कत्ल तो बेगुनाह इंसानों का ही हो रहा है। दिक्कत ये है कि हमास को आतंकवादी संगठन कहने पर मुसलमान नाराज हो जाते हैं और इजराइल को आक्रान्ता बताने पर हिंदूवादी। दोनों ही भूल जाते हैं कि युद्ध किसी चीज का समाधान नहीं है, बल्कि वह समस्याएं ही पैदा करता है और उन्हें बढ़ाता भी है। लगभग डेढ़ साल से चल रहे रूस–यूक्रेन युद्ध का अभी तक तो कोई नतीजा निकला नहीं है और न ही निकट भविष्य में ऐसा होता दिखाई देता है। इधर हिन्दूवादियों को इस युद्ध ने मुसलमानों के खिलाफ एक और कुतर्क दे दिया है जिसके मुताबिक मुसलमान अगर ये मानते हैं कि इजराइल ने उनकी जमीन हथिया ली है और वो उन्हें वापस मिलनी चाहिये तो फिर वे अयोध्या, काशी और मथुरा हिन्दुओं को वापस क्यों नहीं दे देते। राजनीतिक रूप से निरक्षर लोगों को यह बात सही लग सकती है लेकिन वास्तव में इजराइल–फिलिस्तीन मामले की तुलना भारत के इन धर्मस्थलों से करना सिरे से गलत है। क्योंकि इनको लेकर विवाद थे नहीं, पैदा किये गये हैं और इनका निपटारा देश की अदालतें देर–सबेर कर ही देंगी। दूसरा– तमाम मतभेदों के बावजूद और कभी–कभार के तनाव या टकराव को छोड़ सभी धर्मों के मानने वाले शांति और भाईचारे के साथ इस देश में रहते आये हैं जबकि इजराइल ने फिलिस्तीनी आबादी को बहुत छोटे से इलाके में रहने को मजबूर कर रखा है और उस पर भी वह लगातार हमले करता रहता है। इस युद्ध के साथ कांग्रेस के खिलाफ भी दुष्प्रचार का नया सिलसिला चल निकला है। कांग्रेस ने पहले ही दिन निर्दोष इजराइली नागरिकों की हत्या पर गहरा दुरूख व्यक्त किया, उनकी भर्त्सना की और युद्धविराम की अपील भी की। लेकिन फिलिस्तीन के अधिकारों की बात करते ही उस पर हमास समर्थक होने का लेबल चस्पा कर दिया गया क्योंकि कांग्रेस ने हमास की निंदा नहीं की। एक झूठ यह भी फैलाया जा रहा है कि फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफात एक आतंकवादी थे, जिन्हें इंदिरा और राजीव गांधी ने सर–आंखों पर बैठाया। इंदिरा गांधी ने मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए सबसे पहले फिलिस्तीन को मान्यता दी और अराफात को श्नेहरू शांति पुरस्कारश दिया, उन्हें एक करोड़ रुपये और सोने की ढाल भेंट की जबकि राजीव गांधी ने उन्हें इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार दिया। इतना ही नहीं, राजीव ने उन्हें दुनिया भर में घूमने के लिए बोइंग जहाज भी भेंट किया था। कहने की जरूरत नहीं कि बेसिर पैर की ऐसी बातें कहां और क्यों गढ़ी जाती है। दो और दो को पांच बनाने में माहिर भारतीय जनता पार्टी को बताना चाहिए कि अटल बिहारी वाजपेयी ने 1977 में रामलीला मैदान पर फिलिस्तीन के समर्थन में जो कहा था, उससे वह सहमत है या नहीं। उसकी नजर में हमास और फिलिस्तीन अगर एक ही हैं तो उसे साफ करना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिलिस्तीन क्यों गए थे और क्यों उन्होंने वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान स्वीकार किया, क्यों यासिर अराफात की कब्र पर उन्होंने फूल चढ़ाये। और अब विदेश मंत्रालय को यह कहने की जरूरत क्यों पड़ी कि भारत ने हमेशा से ही एक अलग और स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य का समर्थन किया है। साथ ही शांतिपूर्ण समाधान के लिए सीधी बातचीत की वकालत भी की है। क्या इजराइल के साथ खड़े होने का ट्वीट करने के चार दिन बाद सरकार को अहसास हुआ कि उसे तटस्थ रहना चाहिये? मजे की बात है कि फिलिस्तीन पर सरकार की नीति को लेकर उससे पूछे गये सवालों पर जो सफाई भाजपा या सरकार को देनी थी, वह गोदी मीडिया ने दी कि भारत तो इजराइल और फिलिस्तीन के मामले में हमेशा से तटस्थ रहा है और मोदीजी ने फिलिस्तीन का नहीं, बल्कि फिलिस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास और उसके हमले का विरोध किया है। इस तरह के हमलों के खिलाफ भारत की जो जीरो टॉलरेंस की नीति है, मोदीजी के नेतृत्व में भारत उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। अच्छा है यदि सचमुच ऐसा हो रहा हो, लेकिन इजराइल–फिलिस्तीन मामले में जब दूसरे तमाम देश प्रतिक्रिया देने के लिये सही समय का इंतजार कर रहे थे तब हमारी सरकार को किस बात की जल्दबाजी थी? क्या विश्वगुरु बनने की महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल थी कि थोड़ी देर के लिये ही सही, हर कसौटी पर जांची–परखी हुई अपनी विदेश नीति को हमने दरकिनार कर दिया?

भूख की कसक

एजेंसी

ग्लोबल हंगर इंडेक्स की हालिया रिपोर्ट में भारत को दुनिया के 125 देशों में 111वें स्थान पर रखा गया है। चिंता की बात यह है कि भूख का स्तर गंभीर श्रेणी का है। रिपोर्ट बताती है कि देश में बच्चों के कुपोषण का स्तर 18.7 फीसदी है।

हाल ही में जारी किये ग्लोबल हंगर इंडेक्स–2023 के आंकड़े हमारे विकास और प्रगति के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाने वाले हैं। समतामूलक समाज की आकांक्षा में यदि देश अपने नागरिकों की भूख का समाधान नहीं कर पाता तो यह शोचनीय विषय है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स की हालिया रिपोर्ट में भारत को दुनिया के 125 देशों में 111वें स्थान पर रखा गया है। चिंता की बात यह है कि भूख का स्तर गंभीर श्रेणी का है। रिपोर्ट बताती है कि देश में बच्चों के कुपोषण का स्तर 18.7 फीसदी है। निस्संदेह, ऐसे हालात में देश के नीति–निर्माताओं को भूख व कुपोषण के निराकरण के लिये कारगर योजनाओं को तुरंत अमल में लाने की जरूरत है। हालांकि, जीएचआई की इस रिपोर्ट को खारिज करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इस सर्वे की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाये हैं। साथ ही इसे दुर्भावना से प्रेरित व त्रुटिपूर्ण बताकर खारिज किया है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण यानी एनएफएचएस की रिपोर्ट भी एक चिंताजनक स्थिति की ओर संकेत करती है। जो बताती है कि महाराष्ट्र में नवजात मृत्युदर और अविकसित बच्चों के अनुपात में काफी वृद्धि हुई है। एनएफएचएस–5 की रिपोर्ट कई चिंताजनक स्थितियों की ओर इशारा करती है। वैसे यह एक विरोधाभासी तथ्य है कि भारत की आबादी का एक बड़ा भाग न केवल खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर है बल्कि बची उपज का निर्यात भी करता है। जिसके चलते देश में कुपोषण व भूख से जुड़े ग्लोबल हंगर इंडेक्स के आंकड़ों की तार्किकता पर सवाल उठते हैं। भारत को आज दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था कहा जा रहा है। तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि फिर कैसे कुपोषण व भूख के आंकड़ों में भारत को पाकिस्तान, बांग्लादेश नेपाल आदि से नीचे दर्शाया जा रहा है। वैसे, नीति आयोग के राष्ट्रीय गरीबी सूचकांक आंकड़ों के अनुसार ऐसी गरीबी में रहने वाले लोगों का प्रतिशत लगभग पंद्रह था। जुलाई में आयोग की एक रिपोर्ट से पता चला था कि 74 फीसदी लोग स्वस्थ मानकों

का भोजन नहीं खरीद सकते हैं। निस्संदेह, बेहतर पोषण के लिये सभी की पौष्टिक भोजन तक पहुंच, स्वच्छ पानी और स्वच्छता की स्थितियां सुनिश्चित की जानी चाहिए। ऐसे में मौजूदा दर पर, भारत द्वारा सतत विकास मानकों के अनुरूप वर्ष 2030 तक भूख खत्म करने का लक्ष्य पूरा करना मुश्किल लगता है। सवाल यह भी उठता है कि देश की प्रगति का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है। प्रगति के तमाम दावों के बावजूद भूख के ये आंकड़े क्यों परेशान कर रहे हैं। यह भी कि छलांग लगाते शेयर बाजार का कोई रिश्ता हमारी गरीबी दूर करने से है? देश में बढ़ती आर्थिक असमानता कालांतर कानून व्यवस्था के लिये चुनौती बन सकती है। नीति–नियंताओं को इस बात पर भी विचार करना होगा कि देश में आर्थिक असमानता निरंतर क्यों बढ़ रही है। यह एक गंभीर चुनौती है और समस्या का कारगर समाधान मांगती है।

भारत में रोजगार के अवसरों में हो रही तेज वृद्धि को देखकर दुनिया हैरान है

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय सनातन संस्कृति के बारे में विवेचन करते हुए, भारत में रचित वेद, पुराण एवं परम्पराओं के अनुसार, राजा का यह कर्तव्य माना गया है कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध हो, राजा ऐसी व्यवस्था करे। जब तक भारतीय सनातन संस्कृति का भारत में पालन होता रहा, तब तक लगभग समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होता रहा। प्राचीन भारत में विशेष रूप से गांवों में ही रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध रहते थे एवं शहरों की ओर पलायन भी बहुत कम होता था। बेरोजगारी की समस्या के बारे में तो भारत के प्राचीन शास्त्रों में वर्णन ही नहीं मिलता है। समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध रहता था एवं वे अपने परिवार के समस्त सदस्यों का भरण पोषण करने में सक्षम रहते थे एवं परिवार के समस्त सदस्यों के साथ प्रसन्नत्ता एवं उत्साह के साथ रहते थे। जबकि आज की परिस्थितियों के बीच, वैश्विक स्तर पर, बेरोजगारी की समस्या एक प्रमुख समस्या के रूप में उभर रही है। भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए भारत आज आर्थिक प्रगति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारतीय अर्थव्यवस्था पूरे विश्व की लगभग सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है। वर्ष 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में 10वें स्थान पर थी जो आज 5वें स्थान पर पहुंच गई है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति को देखते हुए अब उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2027–28 के पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी एवं यह अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन जाएगी। भारत में केंद्र सरकार द्वारा लगातार यह प्रयास किया जा रहा है कि न केवल देश की अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़े बल्कि भारत में युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हों। इस दृष्टि से भारत में अब अच्छी खबर आई है। भारत में अगस्त 2023 माह में 46.21 करोड़ नागरिकों को रोजगार मिला हुआ था जबकि अगस्त 2022 में 43.02 करोड़ नागरिकों को ही रोजगार प्राप्त था, इस प्रकार एक वर्ष के दौरान 3.19 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। केंद्र सरकार के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा वर्ष 2017 के बाद से प्रतिवर्ष देश में (जुलाई–जून वार्षिक अवधि के बीच) श्रम शक्ति सर्वेक्षण, यह जानने के लिए किया जाता है कि भारत के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी एवं रोजगार की कैसी स्थिति है। हाल ही में जुलाई 2022 से जून 2023 की अवधि के बीच यह सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न हुआ है। इस सम्बंध में जारी किए गए प्रतिवेदन में भारत में रोजगार की स्थिति के बारे में कई अच्छे तथ्य उभरकर सामने आए हैं। भारत में 15 वर्ष एवं इससे अधिक की आयु वाले नागरिकों के बीच श्रम शक्ति भागीदारी की दर (स्ंइवनत थ्वतबम च्ंतजपबपचंजपवद त्ंजम) में लगातार अतुलनीय रूप से सुधार हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में श्रम शक्ति भागीदारी की दर वर्ष 2017–18 में 50.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022–23 में 60.8 प्रतिशत हो गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वर्ष 2017–18 में 47.6 प्रतिशत से बढ़कर 50.4 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार, पुरुषों में यह दर वर्ष 2017–18 में 75.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022–23 में 78.5 प्रतिशत एवं महिलाओं में यह दर वर्ष 2017–18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022–23 में 37 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार, भारत में 15 वर्ष एवं अधिक की आयु के नागरिकों के बीच कर्मचारी जनसंख्या अनुपात (Worker Population Ratio) में भी अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कर्मचारी जनसंख्या अनुपात वर्ष 2017–18 के 48.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022–23 में 59.4 प्रतिशत हो गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह अनुपात वर्ष 2017–18 के 43.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022–23 में 47.7 प्रतिशत हो गया है। पुरुषों के बीच यह अनुपात वर्ष 2017–18 के 71.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022–23 में 76 प्रतिशत हो गया है और महिलाओं में यह अनुपात वर्ष 2017–18 के 22 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022–23 में 35.9 प्रतिशत हो गया है। जब देश में श्रम शक्ति भागीदारी की दर एवं कर्मचारी जनसंख्या अनुपात में लगातार सुधार दिखाई दे रहा है तो स्वाभाविक रूप से भारत में बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। उक्त सर्वेक्षण के अनुसार भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017–18 में 5.3 प्रतिशत थी जो वर्ष 2022–23 में घटकर 2.4 प्रतिशत रह गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017–18 के 7.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022–23 में 5.4 प्रतिशत पर आ गई है। पुरुषों के बीच बेरोजगारी की दर वर्ष 2017–18 के 6.1 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022–23 में 3.3 प्रतिशत हो गई है तो वहीं महिलाओं के बीच बेरोजगारी की दर वर्ष 2017–18 के 5.6 प्रतिशत से वर्ष 2022–23 में घटकर 2.9 प्रतिशत हो गई है। भारत में आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों में यदि रोजगार के नए अवसर अधिक मात्रा में निर्मित हो रहे हैं तो यह एक बहुत अच्छा सुधार है। इसी प्रकार, भारत में पुरुषों के बीच यदि बेरोजगारी की दर काफी कम हो रही है तो भारतीय महिलाओं को श्रम बाजार में उतरना ही होगा और ऐसा होता दिखाई भी दे रहा है, अतः यह भी एक उत्तम सुधार है। भारत में महिला शक्ति यदि श्रम बाजार में उतरती है तो भारत में मजदूरी की दरों को भी संतुलित रखा जा सकता है जिससे उत्पादों की लागत में तेज वृद्धि को रोका जा सकेगा और भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लम्बे समत तक प्रतिस्पर्धी बने रह सकेंगे।

पृथ्वी कितना झेलेगी अपना प्राकृतिक दोहन? विनाश की ओर बढ़ती पृथ्वी

संजीव ठाकुर

जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई–मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं। नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा। भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ–साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राज कुमार अग्रवाल द्वारा मेट्रो ऑफसेट प्रिंटर्स B-1422, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से छपवाकर, कार्यालय ''हमारा मेट्रो'' B-1422, न्यू अशोक नगर दिल्ली-110096 से प्रकाशित किया। E-mail.: hamarametro@gmail.com M.: 9599127158, R.N.I. No. DELHIN/2009/27253 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।

लाल किले पर रामलीला के दौरान स्टेज पर गिरी लाइट, एफआईआर दर्ज

नोएडा। दिल्ली में जगह-जगह रामलीला का मंचन हो रहा है। लालकिला स्थित श्री धार्मिक रामलीला के स्टेज पर अचानक लाइट गिर गई। जिसकी वजह से हादसा हो गया। हादसे में तीन घायल हो

गए हैं। वहीं एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, तेज हवा और बारिश से रात 10.30 यह हादसा हुआ। इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बीती रात बारिश की वजह से नव श्री धार्मिक रामलीला समिति द्वारा 15 अगस्त पार्क लाल किला में रामलीला के स्टेज पर अचानक लाइट गिर गई। हादसे में 11 साल के एक बच्चे को चोटें आई हैं। जिसके लिए उसे मैदान पर खड़ी एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। बच्चा स्थिर है और खतरे से बाहर है। लेकिन निगरानी में है। दो से तीन लोगों के मामूली रूप से घायल होने की खबर है।

मैदानगढ़ी में नाबालिग ने कार मैकेनिक को तीन बार गोदा चाकू, उतारा मौत के घाट; हिरासत में आरोपी

नई दिल्ली। दिल्ली के मैदानगढ़ी इलाके में दोपहर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब वहां एक शख्स की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कार मैकेनिक गंगाराम उर्फ संजय उर्फ खांडू के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान कार मैकेनिक गंगाराम उर्फ संजय उर्फ खांडू के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार मैदानगढ़ी के संजय कॉलोनी में कल दोपहर करीब ढाई बजे इलाके के ही एक नाबालिग ने कार मैकेनिक संजय पर चाकू से तीन वार कर दिए और फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने संजय को आनन-फानन में फोर्टिस अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

'द डिवाइन नाइन' एक्सक्लूसिव ऑफर के साथ मनाएं नवरात्रि का जश्न

नितिन जैन

नई दिल्ली। रियल एस्टेट उद्योग में लक्जरी और इनोवेशन के लिए एक्सपीरियन डेवलपर्स ने 'द डिवाइन नाइन' नवरात्रि ऑफर की घोषणा की है, जो उन घर खरीदारों के लिए एक सीमित समय के लिए उपलब्ध अवसर है। यह एक्सक्लूसिव प्रमोशन 15 अक्टूबर, 2023 से 31 अक्टूबर, 2023 तक जारी रहेगा।

सेक्टर 112, गुरूग्राम में स्थित विंडचैंट्स को एक्स्प्लोर करने वाले संभावित खरीदारों के लिए 2 मास्टर बेडरूम के साथ अपने ड्युप्लेक्स विलामेंट की ऑन-द-स्पॉट बुकिंग करने पर 59.99 लाख रूपए की छूट पाने का शानदार मौका होगा और इसके साथ ही उन्हें 9.99 लाख रूपए मूल्य के होम अप्लायंस मिलेंगे। इसी तरह जो खरीदार विला खरीदने के बारे में विचार कर रहे हैं उन्हें यह जानकर खुशी होगी कि वे भी 9.99 लाख रूपए के लक्जुरियस होम अप्लायंस पाने के लिए पात्र होंगे।

उन खरीदारों के लिए जिनकी रुचि सेक्टर 108, गुरूग्राम स्थित वेस्टर्लीज प्लॉट्स में है, उन्हें प्रत्येक बुकिंग पर 10 ग्राम का गोल्ड कॉइन मिलेगा। इसी तरह, गोमती नगर, लखनऊ स्थित एक्सपीरियो में हाइ स्ट्रीट ऑफिस या रिटेल स्पेस की प्रत्येक खरीदारी पर खरीदारों को 10 ग्राम तक का गोल्ड कॉइन मिलेगा। नागराजू रोथू, सीईओ, एक्सपीरियन डेवलपर्स ने कहा, विंडचैंट्स में फेस्टिव सीजन में आकर असली लक्जरी का अनुभव कीजिए, जहाँ सुनहरे मौकों की भरमार है। हमारे ड्यूप्लेक्स विलामेंट पेश करते हैं ऑन-द-स्पॉट बुकिंग पर 59.99 लाख रूपए तक की अविश्वसनीय छूट और इसके साथ ही मिलेंगे 9.99 लाख रूपए तक के बेहतरीन होम अप्लायंस।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश, हुआ सर्दी का अहसास; पहाड़ों पर हुई बर्फबारी ने गिराया तापमान

नई दिल्ली। सर्द हवा के बीच पारा लुढ़कने से दिल्ली-एनसीआर में सीजन में पहली बार दिन में सर्दी का अहसास हुआ। वहीं रात होते-होते कई इलाकों में बारिश होने से बची कुची कसर भी पूरी हो गई। दक्षिण-पूर्वी हवाओं से सोमवार को दिन का तापमान सामान्य से तीन डिग्री नीचे गिर गया। करीब 40 किमी प्रति घंटे की गति से चली तेज हवा से अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि मंगलवार को भी कमोवेश ऐसा ही मौसम रहेगा। इस बीच हल्की बारिश हो सकती है। बुधवार से हवा की दिशा बदलने से ठंड तेजी से बढ़ेगी। पहाड़ों से दिल्ली-एनसीआर में पहुंचने वाली हवाएं न्यूनतम तापमान में भी कमी लाएगी। हफ्तेभर में रात का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे हो सकता है।

सामान्य से तीन डिग्री कम रहा अधिकतम तापमान

प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। इसकी बड़ी वजह तेज हवाएं बनीं। थोड़ी सहूलियत इनकी दिशा से रही। 40 किमी प्रति घंटा की

रफ्तार से चलने वाली हवाएं दक्षिण पूर्व दिशा से दिल्ली पहुंच रही है। मौसम विभाग का कहना है कि हवा अगर पहाड़ों से आ रही होती तो वहां की बर्फबारी की वजह से पारा तेजी से नीचे जाता। मंगलवार को भी हवा की दिशा में बदलाव नहीं होगा। हालांकि, सोमवार को न्यूनतम तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौसमी बदलाव से पहले सुबह और शाम को ही हल्की ठंड महसूस हो रही। सोमवार अचानक तीन डिग्री तक पारा नीचे खिसकने से इस सीजन में पहली पर दिन में भी ठंड महसूस की गई।

तापमान में और गिरावट के आसार-मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ों की बर्फबारी का असर दिल्ली-एनसीआर को बुधवार से देखने को मिलेगा। इसकी वजह हवा की दिशा में आने वाला बदलाव है। बुधवार से दिल्ली-एनसीआर में पहुंचने वाली हवा की दिशा उत्तर पश्चिमी होगी। पर्वतीय क्षेत्र से आने वाली हवा से तापमान में और भी गिरावट आने का अंदेशा है। दिन के साथ रात में भी ठंडक महसूस होगी। हालांकि दिन में धूप खिली रहने के कारण दिन का तापमान बढ़ सकता है। विभाग का कहना है कि अगले छह दिनों में दिल्ली का अधिकतम तापमान बढ़कर 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान घटकर 17 डिग्री तक पहुंच सकता है।

दिल्ली में बदले मौसम का एयर ट्रैफिक पर दिखा असर, दिल्ली से 13 फ्लाइट्स डायवर्ट

नई दिल्ली। सर्द हवा के बीच पारा लुढ़कने से दिल्ली-एनसीआर में मौसम पूरी तरह से बदल गया है। बीती रात होते-होते कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई। जिसका असर फ्लाइट्स पर देखने को मिला। बीते दिन शाम के वक्त मौसम को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट से 13 फ्लाइट्स को डायवर्ट कर दिया गया।

एयरलाइंस ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 13 फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया है। दिल्ली में बदले मौसम को देखते हुए दिल्ली से जयपुर, लखनऊ और अहमदाबाद के लिए बीती शाम सात बजे से 11

बजे तक इन फ्लाइट्स को मोड़ दिया गया। दिल्ली हवाई अड्डे से जयपुर, लखनऊ और अहमदाबाद के लिए कुल 13 उड़ानें डायवर्ट की गईं।

दक्षिण-पूर्वी हवाओं से सोमवार को दिन का तापमान सामान्य से तीन डिग्री नीचे गिर गया। करीब 40 किमी प्रति घंटे की गति से चली तेज हवा से अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि मंगलवार को भी कमोवेश ऐसा ही मौसम होगा। इस बीच हल्की बारिश हो सकती है। बुधवार से हवा की दिशा बदलने से ठंड तेजी से बढ़ेगी। पहाड़ों से दिल्ली-एनसीआर में पहुंचने वाली हवाएं न्यूनतम तापमान में भी कमी लाएगी।

सुरक्षाकर्मियों ने बंद किया महागुन मायवुड्स सोसायटी का गेट, दो महीने से वेतन न देने का लगाया आरोप

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की महागुन मायवुड्स सोसायटी में वेतन न मिलने के विरोध में सुरक्षाकर्मियों ने हड़ताल करते हुए सोसायटी का मैन गेट बंद कर दिया। मैन गेट बंद होने से सोसायटी निवासियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षाकर्मियों का आरोप हैं कि

दो माह वेतन नहीं मिला है। वेतन देने का हर बार भरोसा दे दिया जाता है। समय से वेतन नहीं मिलने के कारण बच्चों को पढ़ाने और घर चलाने में परेशानी हो रही है। सुरक्षाकर्मियों ने सोसायटी के मैन गेट को बंद कर दिया। गेट बंद होने के कारण निवासी सुबह अपने कार्यालय ने नहीं जा पाए।

संतोष ट्रॉफी के समापन अवसर पर उपस्थिति रहे जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा

मणिपुर की टीम को प्रथम, उत्तर प्रदेश टीम को द्वितीय स्थान मिला

मनोज कुमार जैन

गौतम बुद्ध नगर। जनपद गौतम बुद्ध नगर के शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम ग्रेटर नोएडा में 8 से 17 अक्टूबर तक सीनियर नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप फार संतोष ट्रॉफी का आयोजन किया गया, जिसके अंतिम लीग मैच में उत्तर प्रदेश टीम ने मध्य प्रदेश टीम 4-1 से हराकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसके पूर्व नागालैंड व तमिलनाडु के बीच 1-1 गोल से ड्रॉ रहा तथा मणिपुर ने झारखंड को 3-0 से हराकर 15 अंकों के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। 12 अंकों के साथ उत्तर प्रदेश को दूसरा स्थान मिला। पारितोषिक वितरण मुख्य अतिथि अरविंद मेनन व डॉक्टर शाहजी प्रभाकरण क्रमशः राष्ट्रीय सचिव व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ एवं महासचिव अखिल भारतीय फुटबॉल फेडरेशन द्वारा सभी प्रदेश की टीमों

के खिलाड़ियों एवं उनके पदाधिकारीयों को उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ व गौतम बुद्ध नगर की ओर से प्रतीक चिन्ह प्रदान किए गये।ग्रुप सी में मणिपुर की टीम अरुणाचल प्रदेश में आयोजित उक्त चैंपियनशिप के फाइनल राउंड में खेलेगी व उत्तर प्रदेश की टीम की भी खेलने की संभावना है। इस अवसर पर पुष्कर शर्मा, मोहम्मद कमरुद्दीन अध्यक्ष यूपीएफएस, जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा, चेयरमैन प्रिया गोल्ड ग्रुप मनोज अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, डॉ अरुण वर्मा निदेशक खेल, वेनत यूनिवर्सिटी, भूपेंद्र सिंह, पवन त्यागी, कृष्णा सिंह ठाकुर, हरि कृष्णा, हेमंत कुमार, निखिल कुमार आदि खेल प्रेमी सम्मिलित रहे।

उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के महासचिव मोहम्मद शाहिद ने मुख्य अतिथि एवं आमंत्रित गणमान्य को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा आभार व्यक्त किया।

सौतेली मां ने बेटे की हत्या कर शव सेप्टी टैंक में छिपाया, गिरफ्तार

गाजियाबाद। मोदीनगर थाना क्षेत्र की गोविंदपुरी की डबल स्टोरी कॉलोनी में एक सौतेली मां ने 11 बेटे की हत्या कर दी। शव को सेप्टी टैंक में डालकर छुपा दिया। पुलिस ने मां को गिरफ्तार कर शव को बरामद कर लिया है। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने सोमवार को बताया कि गोविन्दपुरी निवासी राहुल सेन ने थाना मोदीनगर पर सूचना दी कि रात्रि को घर लौटने पर उनका 11 वर्षीय पुत्र शब्बी नहीं मिला है। सूचना के आधार पर थाना मोदीनगर पर अभियोग पंजीकृत किया गया तथा अभियोग के विवेचक द्वारा बच्चे की तलाश की जाने लगी। उन्होंने

बताया कि इनके घर के आसपास सीसीटीवी फुटेज देखी गई तो पाया गया कि उनका पुत्र घर से बाहर ही नहीं निकला था। संदेह होने पर घर अंदर तलाश की गई तो बच्चे का शव सीवर टैंक में मृत अवस्था में पाया गया। शक के आधार पर जब बच्चे की सौतेली मां रेखा से सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने स्वीकारा कि उसने बच्चे की हत्या कर शव को सीवर टैंक में डाला था। शब्बी कक्षा तीन का छात्र था। पुलिस ने बेटे की हत्या के आरोप में सौतेली मां को गिरफ्तार किया है।

ग्राम गेझा तिलपता में आयोजित होने वाले आर्ट कार्यक्रमों की बैठक डीएम की अध्यक्षता में हुई संपन्न

नीरज पांडेय

गौतम बुद्ध नगर। जनपद गौतम बुद्ध नगर कलेक्ट्रेट सभागार में कलांतर आर्ट फाऊंडेशन द्वारा आगामी नवंबर माह में आदर्श कला ग्राम परियोजना के माध्यम से ग्रामीणों को दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के कलाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में कलांतर आर्ट फाउंडेशन के अध्यक्ष विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि कालांतर आर्ट फाऊंडेशन ग्राम गेझा तिलपत को आदर्श कला ग्राम के रूप में स्थापित करने जा रहा है। आदर्श कला ग्राम परियोजना के तहत हम ग्रामीणों को विभिन्न प्रकार के कलाओं का प्रशिक्षण देंगे जैसे ड्राइंग और पेंटिंग, संगीत, नृत्य, लेखन, कहानी सुनाना और वेदों में वर्णित कला की 64 विधा सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया कि इससे हर घर में कम से कम एक कलाकार होगा। कला का प्रयोग तथा प्रशिक्षण ग्रामीणों के लिए एक अवसर होगा, जो उन्हें मानसिक संतुष्टि के साथ ही आजीविका का स्रोत भी देगा।

उन्होंने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि आदर्श कला ग्राम कार्यक्रम के दौरान हमें उपयुक्त स्थान, आवश्यक सामग्री एवं मानव संसाधनों की आवश्यकता होगी, जिसके लिए जिलाधिकारी ने प्रोजेक्ट इंजीनियर प्राधिकरण, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, परियोजना अधिकारी जिला नगरीय विकास अधिकरण, जिला पर्यटन अधिकारी, जिला संस्कृति अधिकारी तथा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि आदर्श कला ग्राम परियोजना के तहत आयोजित होने वाले कला कार्यक्रमों को लेकर आपके स्तर से कार्यक्रम के भव्य आयोजन को लेकर पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए एवं आदर्श कला ग्राम कार्यक्रम को लेकर अपने-अपने स्तर से जनपद में व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराया जाए।

जिलाधिकारी ने प्रोजेक्ट इंजीनियर प्राधिकरण को निर्देश दिये कि आदर्श कला ग्राम के लिए एक उपयुक्त स्थान प्रदान करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि कला प्रशिक्षण के प्रभाव का अन्वेषण करने के लिए दो मनोवैज्ञानिकों को नियुक्त किया जाए। इसी प्रकार सभी संबंधित विभाग अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए आदर्श कला ग्राम कार्यक्रम को लेकर अपनी सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करेंगे तथा कार्यक्रम के आयोजन को लेकर जो भी आवश्यक सामग्री एवं संसाधन है, उनकी व्यवस्था समय रहते कराना सुनिश्चित करेंगे। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कुंवर सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी शिवराज, पर्यटन, संस्कृति तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

माताओं और बहनों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को पाताल से भी ढूंढ निकालेंगे: सीएम योगी

नितिन जैन

बुलंदशहर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधी आबादी सुरक्षित है तो सब कुछ सुरक्षित है। माताओं और बहनों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को पाताल से भी ढूंढ निकालेंगे। उन्होंने कहा कि एक माता, बहन और बेटी की कोई जाति नहीं होती। बहन, बेटी और मां को बांटों मत उनकी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए पूरे समाज को खड़ा होना चाहिए। अगर नारी गरिमा की रक्षा हो जाएगी तो निवेश अपने आप आ जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि विगत साढ़े नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आधी आबादी के सम्मान और गरिमा को बढ़ाने का कार्य किया है।

सीएम योगी ने ट्रांसपोर्ट नगर में मंगलवार को 632 करोड़ रुपए की 256 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास एवं सहयाता राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम मील का पत्थर साबित होगा। अब प्रदेश की माताओं और बहनों को पंचायत एवं स्थानीय निकायों की तरह विधानसभा और लोकसभा में एक तिहाई सीटों पर चुनकर जाने का अवसर प्राप्त होगा।

सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान में हमने मिशन शक्ति के चौथे संस्करण को आगे बढ़ाया है। यह संस्करण भी एक बार फिर से प्रभावी

ढंग से नारी गरिमा की सुरक्षा करते हुए, उनके सम्मान को बढ़ाते हुए, उनके स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करने का एक अभियान है। इसकी शुरूआत हमने 2020 में की थी। इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए डबल इंजन की सरकार महिलाओं के कल्याण के कार्यक्रमों आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम आवास योजना के अंतर्गत देश की माताओं और बहनों को घर का उपहार भी उन्हें लखपति बनाने का काम किया है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम सब ने एक नए भारत का दर्शन किया है। एक ऐसा भारत जो समर्थ, शक्तिशाली और स्वावलंबी है, जो दुनिया की एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होने वाला है। उन्होंने कहा कि यह वही भारत है जिसमें 2014 के पहले अविश्वास और असुरक्षा का माहौल था। घुसपैठिए जब मर्जी तब भारत में घुसपैठ करते थे। भारत के सामने नीतियों को लेकर भी असमंजस की स्थिति थी। लेकिन 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक ऐसे नए भारत को आगे बढ़ाया, जिसमें जाति, मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं था।

सीएम योगी ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हमारी बेटी पारूल चौधरी और अनु रानी ने एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल लाकर देश के साथ-साथ मातृ शक्ति के गौरव को भी बढ़ाया है। दोनों को बेटियों को हमारी सरकार सीधे डिप्टी एसपी बनाएगी। साथ ही लखनऊ में समारोह आयोजित कर एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वालों को 3 करोड़, सिल्वर मेडल जीतने वालों को डेढ़ करोड़ और कांस्य पदक जीतने वाले उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को 75 लाख रुपए की सहायता राशि देंगे।

सीएम योगी ने 'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन' के 2,528 स्वयं सहायता समूहों को 72.90 करोड़ रुपए की राशि वितरित की साथ 'एक जनपद एक उत्पाद कार्यक्रम' के 54 लाभार्थियों को उन्होंने 29.02 करोड़ रुपए वितरित किए। इसके अलावा 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम' के 175 लाभार्थियों को सीएम योगी ने 19.16 करोड़ रुपए प्रदान किए। वहीं 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' के 103 लाभार्थियों को उन्होंने 10.94 करोड़ रुपए वितरित किए।

अपने संबोधन के बाद सीएम योगी ने एक अन्य कार्यक्रम में बुलंदशहर के उद्यमियों से बात की और उनका हाल जाना। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की औद्योगिक नई नीति के विषय में बात करते हुए उद्यमियों को सरकार की तरफ सभी तरह के नीतिगत सहयोग का भरोसा दिया। कार्यक्रम में जनपद के एमएसएमई से जुड़े उद्यमी समेत जिले कई आला अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, बुलंदशहर सांसद डॉ. भोला सिंह, गौतमबुद्ध नगर सांसद डॉ. महेश शर्मा सांसद, राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र सिंह नागर, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अंतुल तेवतिया, शिकारपुर विधायक अनिल कुमार शर्मा, अनूपशहर विधायक संजय कुमार शर्मा, स्यान विधायक देवेन्द्र सिंह लोधी और बुलंदशहर विधायक प्रदीप कुमार चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

लखनऊ को आतंकी गतिविधियों में संलिप्त संगठनों ने बनाया सेंटर

एटीएस की पूछताछ में गिरफ्तार आतंकियों और जेएमबी के सदस्यों ने किया खुलासा

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में आतंकी संगठन आतंकी बनाने की पाठशाला चला रहे हैं। यह लोग स्लीपर सेल के तौर पर युवकों को धर्म और गजवा–ए–हिंद के नाम पर कट्टरपंथ की तालीम दे रहे है। जिससे वक्त आने पर इनसे कहीं भी और किसी भी प्रकार का आतंकी हमला कराया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, यह बात पिछले दिनों यूपी में हुई आतंकियों की धर–पकड़ के बाद हुई। उनसे पूछताछ और रिमांड पर आए जमात–उल–मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के आतंकी मुफक्किर उर्फ हमीदुल्ला की पूछताछ में हुआ। बताया जा रहा है कि इन लोगों ने इस बार मुंबई–दिल्ली की जगह यूपी, एमपी और गुजरात को इस बार निशाना बनाने की तैयारी कर रहे थे। क्योंकि यहां पर प्रमुख धार्मिक स्थलों के साथ मौजूदा सरकार के प्रमुख नेताओं का भी आना–जाना बना रहता है। यूपी समेत पूरे देश में एटीएस की छापेमारी में साफ हुआ है कि पीएफआई की सक्रियता बढ़ी है। सुरक्षा एजेंसियों ने पड़ताल की तो जानकारी मिली कि पीएफआई यूपी में अपना स्लीपर सेल माड्यूल फिर से तेजी से सक्रिय कर रही है। पिछले दिनों हुई धरपकड़ में लखनऊ उनका सेंट्रल बनता नजर आया। लखनऊ में मलिहाबाद से लेकर कुर्सी (बाराबंकी) तक उनके अनुयायियों का बड़ा नेटवर्क खड़ा कर लिया गया है। जिसमें युवाओं के साथ ही स्थानीय नेता, धर्म से जुड़े लोग और विदेशों

में नौकरी करने वाले लोग है। इनके बीच होने वाली मीटिंग में संगठन से जुड़े लोग नवयुवकों को जिहादी साहित्य और भड़काऊ वीडियो के माध्यम से उनका ब्रेनवॉश कर रहे थे। जिससे वह आतंकी गिरोह के लिए काम करने के लिए तैयार हो जाएं। एटीएस की पिछली धरपकड़ में सामने आया था लखनऊ के साथ इन्होंने सहारनपुर और उत्तराखंड में भी अपने सब–स्टेशन बना रखे थे। जहां इनके स्लीपर सेल ठिकाना बनाए थे। इसके पीछे यहां से दिल्ली और अन्य राज्य पहुंचने की कनेक्टिवटी अच्छी है। यूपी एटीएस बीते पांच सालों में इस नेटवर्क से जुड़े करीब दो दर्जन आतंकियों को अब तक पकड़ चुकी है। एटीएस सूत्रों के मुताबिक मुफक्किर और उसके साथियों की मध्य प्रदेश में गिरफ्तारी के बाद उसका नेटवर्क लखनऊ में भी सक्रिय होने की बात सामने आई। जिसके बाद लखनऊ से जेएमबी के संदिग्ध आतंकी अजहरुद्दीन को गिरफ्तार किया था। इनके मंसूबों की पड़ताल के लिए मुफिक्कर को कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। जिससे उसके लखनऊ, सहारनपुर, उत्तराखंड और एमपी से जुड़े लोगों के विषय में जानकारी और मनसूबों की जानकारी की जा सके। जिससे यूपी में सक्रिय इस संगठन के लोगों की धर–पकड़ और बड़ी योजना को विफल किया जा सके। सुरक्षा एजेंसियां लखनऊ में दर्जन भर आतंकी, कई पीएफआई एजेंट और आतंकी संगठन से जुड़े लोगों की धरपकड़ के चलते यह इनपुट मिलने के बाद फूंक–फूंक कर कदम रख रही है। वहीं इनसे जुड़े लोगों के विषय में जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

महिलाओं को फ्री बस यात्रा की सुविधा दी जायेगी: कमलनाथ

कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने किया वचन पत्र का विमोचन

अनोखे लाल द्विवेदी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने आज राजधानी के रवीन्द्र भवन में आयोजित विधानसभा चुनाव-2023 के लिए कांग्रेस के वचन पत्र विमोचन कार्यक्रम में कहा कि हमें वचन पत्र के लिए 9000 से अधिक सुझाव मिले, मुझे पोस्टकार्ड के जरिए भी सुझाव मिले है। जब मैं ग्रामीण क्षेत्रों में जाता था लोगों से मिलता था तो वो भी अपना सुझाव हमें देते थे। वचनपत्र के लिए प्रदेश के कई छोटे और बड़े सामाजिक संगठनों ने भी हमें सुझाव दिए हैं। हमारी पूरी वचन पत्र कमेटी पिछले एक साल से मेहनत से काम कर रही थी, और आज यह वचन पत्र आपके सामने लाई हैं। वचनपत्र में आमजन से जुड़े हुए 59 बिंदु है। वचन पत्र में 1290 वचन है। कांग्रेस पार्टी विधानसभा चुनाव-2023 के लिए वचन पत्र जारी कर रही है। वहीं हमने किसानों, महिलाओं, कर्मचारियों और युवाओं के लिए अलग-अलग वचन पत्र बनाएं हैं।

श्री कमलनाथ ने कहा कि मध्य प्रदेश की जनता गवाह है कि हमने पहली किस्त में 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया था। हमें सरकार का और शासन तंत्र का सरलीकरण करना है। वचन पत्र को पूरा करने के लिए हमने मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था करने का भी संकल्प लिया है। कमलनाथ ने कहा कि हमारा इस चुनाव का नारा है कांग्रेस आएगी-खुशहाली लाएगी। कमलनाथ ने कहा कि हमारे जो पहले के वचन हैं हम उन्हें पूरा करने लिए भी संकल्पित है।

किसानों की बात करते हुए कमलनाथ ने कहा कि मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि क्षेत्र पर आधारित है इसलिए किसानों के लिए सरकार की अलग से प्रथमिकता होगी। हमने किसानों और उनकी खेती लिए क्रांतिकारी निर्णय लिया है।

श्री कमलनाथ ने कहा कि किसानों का धान 2500 रुपए कुंटल खरीदने का वचन दिया है। हम गेहूं 2600 रुपए कुंटल के हिसाब से खरीदने का काम भी करेंगे, और इसको बढ़ाकर हम 3000 हजार तक ले जाने का काम करेंगे। कमलनाथ ने नंदिनी गौ-धन योजना की घोषणा करते हुए कहा कि हम 2 रुपए किलो के हिसाब से गोबर खरीदेंगे। सरकार में युवाओं की 2 लाख पदों के लिए भर्ती की जाएगी। वहीं 1 लाख अलग से पद बनाकर हम युवाओं को रोजगार देने का काम करेंगे। हम युवा स्वाभिमान योजना शुरू करेंगे, दुर्घटना, स्वास्थ्य बीमा के लिए हम लोग 25 लाख रुपए तक का बीमा कराएंगे। बेटियों की शादी के लिए अब हम 1 लाख 1000 हजार की सहायता करेंगे। वृद्धा पेंशन योजना के जरिए 1200 रुपए देने का काम करेंगे। मेरी बेटी योजना में जन्म से लेकर संस्कार विवाह तक 2 लाख तक देने का काम करेंगे। हम प्रदेश को आईटी हब बनाने के लिए काम करेंगे।

- मप्र को मिलेगी अपनी आईपीएल टीम: कमलनाथ
- मप्र में 2 लाख पदों पर भर्ती की जायेगी: कमलनाथ
- बेटियों की शादी के लिए 1 लाख 10 हजार दिये जायेंगे: कमलनाथ
- हमारा और दिग्विजय सिंह का संबंध पारिवारिक और निजी है: कमलनाथ

कमलनाथ ने कहा कि आज मेट्रो का श्रेय कोई भी ले, लेकिन मुझे श्रेय से ज्यादा प्रदेश की शान की चिंता है। हम खिलाड़ियों के लिए पदक लाओ-पद पाओ, पदक लाओ-करोड़पति बन जाओ योजना की शुरूआत करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लिए आईपीएल टीम बनाने का काम करेंगे आईपीएल का आयोजन भी करेंगे। संविदा और आउटसोर्स कर्मचारी के लिए हम न्याय करेंगे। जल का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार, खाद्य का अधिकार, आवास का अधिकार, न्यूनतम रोजगार का अधिकार और सामाजिक न्याय का अधिकार देने का भी काम करेंगे। कमलनाथ ने पत्रकारों से आग्रह करते हुए कहा कि आपको पूरा वचन पत्र पढ़ना होगा तभी पूरी जानकारी मिल पाएगी। मैं कुछ मुख्य बिंदुओं पर अभी ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जी ने कहा कि कमलनाथ और शिवराज में यही अंतर है कि शिवराज सपने दिखाते हैं हवा में बातें करते हैं, लेकिन कमलनाथ जमीन पर जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं और अपना वचन निभाते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में दिए हुए सभी अधिकारों का ध्यान रखा जाएगा। अनुसूचित जाति, जनजाति और सभी धर्म के सामाजिक न्याय का भी ध्यान रखा जाएगा उन्होंने आगे कहा कि आउटसोर्सिंग नौकरियों में भी आरक्षण का ध्यान रखा जायेगा।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद विवके तन्खा, पूर्व मंत्री कांतिलाल भूरिया, वचन पत्र समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, समिति के सदस्य वी.के. बाथम, निकिता खन्ना, पूर्व मंत्री बाला बच्चन, पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, अशोक सिंह, आरिफ मसूद, रागिनी नायक, शोभा ओझा, विभा पटेल, फूलसिंह बरैया, सै. साजिद अली, केदार सिरोही, वीरेन्द्र खोंगल, भूपेन्द्र गुप्ता, अजिता वाजपेयी, सै. जाफर, सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष, संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने किया।

बारिश की वजह से मौसम ने एकदम से करवट ली

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में हो रही बारिश की वजह से मौसम ने एकदम करवट ले ली है। पिछले 24 घंटे में वेस्ट यूपी के तकरीबन सभी हिस्सों में बारिश हो रही है। दो दिन पहले तक जहां लोग भीषण गर्मी से परेशान थे, वहीं अब सर्दी का एहसास होना शुरू हो गया है। बारिश के साथ ठंडी हवाएं भी चलने लगी है। जिससे तापमान में भारी गिरावट आ गई है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण पाकिस्तान के पास चक्रवाती परिसंचरण बन रहा है। जिसकी वजह से आज यानी मंगलवार को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश होगी। बता दें कि यूपी के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटे में लगातार बारिश हो रही है। आगरा में बर्फबारी हुई तो लखनऊ

और कानपुर में पूरी रात बारिश हुई है। वहीं, मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद समेत कई इलाकों में बरसात हुई। आज भी पूरे प्रदेश में कई इलाकों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। पश्चिमी यूपी में एक या दो स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ आकाशीय चमक की संभावना बनी हुई है। वहीं, तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। विभाग के मुताबिक 18 से 22 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क ही रहेगा। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, पश्चिमी यूपी के सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, एटा, कासगंज, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, इटावा, कन्नौज, औरैया, जालौन, झांसी, महोबा, हमीरपुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी और प्रयागराज के कुछ इलाकों में बारिश होगी और कई जगहों पर बारिश के साथ आकाशीय चमक होने की भी संभावना जताई गई है।

विश्वकर्मा समाज ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

उत्तरप्रदेश में कानून तोड़ने वालों की खैर नहीं: हंसराज विश्वकर्मा

विनय महाजन

मीरा रोड मुंबई। कानपुर जिले के गजनेर थाना क्षेत्र में विश्वकर्मा परिवार के दो सगे भाइयों की निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड के विरोध में और हत्यारों को सख्त सजा देने की मांग करते हुए श्री विश्वकर्मा फाउंडेशन मीरा भायंदर ने बनारस भाजपा जिला अध्यक्ष एवं विधायक हंसराज विश्वकर्मा को ज्ञापन सौंपा। विधायक हंसराज विश्वकर्मा को श्री विश्वकर्मा फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री इस मामले में संज्ञान ले कर दोषियों को सख्त सजा और पीड़ित परिवार को मुवावजा दिलाए। बता दें कि पीड़ित परिवार अपना मकान बनाने जा रहा था इसी बात से नाराज दबंगो ने दोनों भाइयों की हत्या कर दी थी। मृतक सत्यनारायण विश्वकर्मा और राजवीर विश्वकर्मा

दोनों सगे भाई थे। जिनकी बड़ी बेरहमी से हत्या कर दी गई और जब परिवार बीच बचाव करने गया तो उन लोगों को बेरहमी से मारा पीटा गया। विधायक हंसराज विश्वकर्मा ने बताया कि इस मामले में सख्त कार्यवाही की जा रही सभी आरोपी पकड़ लिए जाएंगे उत्तरप्रदेश में कानून तोड़ने वालों के खिलाफ योगी सरकार सख्त रवैया अख्तियार करती है आरोपी चाहे कितना बड़ा क्यो ना हो उस पर कानून का शिकंजा कसता जरूर है। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश विश्वकर्मा ने कहा कि कार्रवाई के साथ ही मुख्यमंत्री अन्य मामलों की तरह ही बुलडोजर का मुख आरोपी के घरों की तरफ करें।

इस मौके पर पतिराज विश्वकर्मा, मुन्ना विश्वकर्मा समाजसेवी रामनारायण विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, सुरेंद्र विश्वकर्मा सहित अन्य समाज के लोग उपस्थित थे।

फेस्टिव सीजन में गहराया डेंगू संकट, एक्सपर्ट बोले–तीसरे दिन ही पड़ रही वेंटिलेटर की जरूरत

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में डेंगू संकट बेहद गहरा गया हैं। 24 घंटे में प्रदेश में इस सीजन के सबसे ज्यादा 574 नए डेंगू केस रिपोर्ट हुए हैं। इसी के साथ कुल मरीजों की संख्या 13 हजार के पार हो चुकी हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले लखनऊ, मुरादाबाद, कानपुर और गौतमबुद्ध नगर में हैं। वही एक्सपर्ट्स मौसम बदलने के साथ आने वाले दिनों में डेंगू संक्रमितों की संख्या में और इजाफा होने की बात कह रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में ही नही डेंगू मरीजों से निजी अस्पताल भी लगभग फुल हो गए हैं। लखनऊ के बड़े निजी चिकित्सा संस्थानों के भी आईसीयू वार्ड डेंगू मरीजों से भरे हैं। यहां के डॉक्टरों की माने तो ज्यादातर गंभीर मरीजों को संक्रमित होने तीसरे दिन ही वेंटिलेटर की जरूरत पड़ रही हैं। लाइफ सपोर्ट के साथ किडनी डायलीसिस तक की नौबत आ रही हैं। बहरहाल डॉक्टर पैनिक होने की जगह बस अलर्ट मोड़ में रहने पर जोर दे रहे हैं। प्रदेश में 8 दिन के भीतर 3500 से ज्यादा नए संक्रमित मिले हैं। बीते एक दिन में सबसे ज्यादा बरेली में 49, कानपुर में 47, मिर्जापुर में 46, लखनऊ में 44 और मेरठ में 39 रिपोर्ट हुए हैं। अब तक जिन जिलों में डेंगू के कम केस आ रहे थे, वहां भी अब संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ी हैं। वाराणसी में 17 और गोरखपुर में 7 केस रिपोर्ट हुए हैं। इन दोनों जगह एक दिन पहले कोई भी केस रिपोर्ट नही हुआ था।

संक्षिप्त

राजधानी लखनऊ में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की जिला इकाई का गठन शीघ्र

अतुल तिवारी जिला संयोजक नियुक्त

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की लखनऊ जिला इकाई के पुनर्गठन के लिए युवा पत्रकार अतुल तिवारी को जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी की मौजूदगी में महामंत्री श्री रमेश शंकर पांडेय ने श्री अतुल तिवारी को जिला संयोजक पद की जिम्मेदारी सौंपते हुए उनसे एक माह में यूनियन की लखनऊ जिला इकाई के नये गठन की अपेक्षा की है। इस मौके पर उपस्थित सर्वश्री विवेक मौर्य, वी. के. सिंह, नवनीत गौतम, राकेश कश्यप, अनुराग शर्मा, शशिकांत पांडेय, सियाराम यादव, देवेश नायक, अजय मिश्र, साकेत पाल, प्रिया भट्टाचार्य, कोमल पत्रकार, नीतू यादव, अर्चना गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, वैदिका गुप्ता, जितेंद्र बाजपेयी, मनीष चित्रांश, रवि सिंह, आशुतोष मिश्र आदि कई पत्रकार बंधुओं ने श्री अतुल तिवारी की नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि अब श्रमजीवी पत्रकार यूनियन को राजधानी लखनऊ में विशेष गति मिलेगी।

संवैधानिक मूल्य विषय आधारित स्कूल महोत्सव का आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। विज्ञानं फाउंडेशन संस्था 35 सालो से वंचित समुदाय, महिलाओ बच्चो व मजदूरों ले अधिकारों की पैरवी के लिए नेटवर्क और गटबंधन मे विश्वास करते है और उन्हें बढ़ावा देते है। लखनऊ मे 12 गरीब बस्तियों की 750 किशोरियो एवं 18 स्कूलो के साथ प्रत्यक्ष रूप से क्षमतावर्धन का काम कर रही है आज विज्ञान फाउंडेशन व अजीम प्रेमजी फिलैंथरोपिक इनिशिएटिव के संयुक्त तत्वाधान में कार्यरत गिविंग विंग्स टू ड्रीमर्स परियोजना के तहत संवैधानिक मूल्य विषय आधारित स्कूल महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जे पी कान्वेंट पब्लिक हाई स्कूल जानकीपुरम में आयोजित किया गया जिसमे क्षेत्र के प्रोमिनेंट पब्लिक स्कूल,ज्ञान दीप अकादमी स्कूल, एस आर पब्लिक स्कूल स्कूल शामिल रहे कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा से मनोज वर्मा, मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल हुए। कार्यक्रम में स्कूली छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता जैसे कला प्रतियोगिता, गीत प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता ,प्रश्नोतरी प्रतियोगिता, कबाड़ से जुगाड़, मिटटी से खिलौने बनाना, परामर्श सत्र आदि मेस्कूल के छात्र छात्राओ ने एक साथ मिलकर प्रतिभाग किया। इस महोत्सवका उद्देश्य स्कूली छात्र छात्राओं की प्रतिभा एवं कौशल को प्रदर्शित करना साथ ही साथ ही विभिन्नता आधारित समाज मे होने वाले भेदभाव के प्रति उनको जागरूक करना था, परामर्श के द्वारा बच्चो के मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा हुई,बच्चो ने कचरे को प्रबंधित करने का तरीका सीखाअपने घर के "कबाड़ का जुगाड़" करना सीखा तथा मिट्टी से खिलौने बनाना सीखा इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चे पढ़ाई के साथ साथ अन्य गतिविधितो को भी अपने जीवन शामिल करे जिससे उनका मानसिक एवं शारीरिक विकास हो सके।

भारतीय गोर्खा परिसंघ की लखनऊ शाखा ने दिया ज्ञापन, जनगणना कराने की मांग

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय गोर्खा परिसंघ जिला शाखा लखनऊ के अध्यक्ष जीवेश उपाध्याय के नेतृत्व में जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन दिया गया। जिसमें कहा राज्य पिछड़ा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश में निवास कर रहे 10 लाख भारतीय गोरखा समुदाय की जनसंख्या को शून्य दिखाया जाना दुःखद है। शून्य दर्शाया गया है जो कि पूरी तरह असत्य एवं भ्रामक है। जनपद लखनऊ में निवासरत 60 हजार गोर्खा समुदाय के कुछ निवासियों और सदस्यों और उनके परिजनों के आधार कार्ड की छायाप्रति प्रार्थना पत्र के साथ सलग्न कर शासन को उपलब्ध कराई। अपर नगर मजिस्ट्रेट द्वितीय ने आवश्यक कार्यवाही करने भरोसा दिलाया। साथ ही गोर्खा समुदाय की जनगणना दोबारा करवाने की मांग की है। ज्ञापन देने सुरेश सिंह छेत्री,गौरव सिंह,गोपाल सिंह,डॉ. सुशीला छेत्री,शानू मल,एडवोकेट सहदेव सिंह,सीमा छेत्री मौजूद हुईं।

एलयू में एक दिवसीय सिनेमा दिवस का हुआ आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू द्वारा कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय एवं प्रो. विनीता काचर, ओएसडी, आईएमएस, लखनऊ विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में आईएमएस में एक दिवसीय षसिनेमा दिवस का आयोजन किया गया। एमबीए और बीबीए के छात्रों ने भारतीय सिनेमा पर आधारित प्रेरक विषयों पर स्टेज शो तैयार किए। छात्रों ने संगीतमय विषयों के साथ गीत गायन के कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया। छात्रों ने 90 और 20 के दशक के भारतीय सिनेमा के कोलाज तैयार किए। भारतीय सिनेमा के जनक दादा साहब फाल्के को समर्पित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया।

पीजीआई के ईएमआरटीसी में 15 बिस्तरों के नए रेड जोन निदेशक ने किया उद्घाटन

लखनऊ, एजेंसी। संजय गांधी पीजी आई के निदेशक प्रोफेसर आर के धीमन ने ईएमआरटीसी में आपातकालीन चिकित्सा में 15 बिस्तरों के नए रेड जोन का उद्घाटन किया। जिससे रेड जोन बिस्तर की क्षमता पिछले 12 से बढ़कर 27 बिस्तर हो गई। वहीं 30 बिस्तरों वाली आपातकालीन चिकित्सा को एसजीपीजीआई के ईएमआरटीसी भवन में पिछले वर्ष 24 मई को स्थानांतरित कर दिया गया था। बीमारी के आधार पर इसे लाल व पीले और हरे क्षेत्र में संरचित किया गया है। ईएमआरटीसी में स्थानांतरित होने के बाद से इमरजेंसी ने अपनी सेवाओं को पहले 60 बिस्तरों तक विस्तारित किया। रेड जोन में 15 और बिस्तर जोड़ दिए गए हैं। तो अब छह स्ट्रेचर बेड के साथ रेड,येलो व ग्रीन जोन में क्रमशरू 27, 18 और 24 बेड हैं। आपातकालीन बिस्तरों की अंतिम कुल संख्या अब 75 है। प्रत्येक स्ट्रेचर बिस्तर का उपयोग प्रति दिन दस बार किया जाता है, इस प्रकार स्ट्रेचर पर देखभाल करने वाले और प्रबंधित किए जाने वाले रोगियों की संख्या लगभग 60 दिन है। साथ ही हाल ही में पीजीआई कर्मचारियों के लिए आपातकालीन बिस्तरों को पांच से बढ़ाकर आठ कर दिया गया है। 15 बिस्तरों वाले नए रेड जोन (2) में वेंटिलेटरी सहायता की आवश्यकता वाले बीमार और अस्थिर रोगियों के लिए सात समर्पित बिस्तर हैं। अगला नियोजित विस्तार 20 बेड टेली– आईसीयू और ईएमआरटीसी की पहली मंजिल पर एक समर्पित रेडियोलॉजी विंग के साथ मेजर व माइनर ओटी, एंडोस्कोपी, ब्रोंकोस्कोपी और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के साथ एक इंटरवेंशन जोन का है। सीटी, डीएसए की कमीशनिंग और एमआरआई की खरीद अपने अंतिम चरण में है।

जाट समाज विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 28 अक्टूबर को जयपुर में करेगा अधिवेशन

जयपुर। राजस्थान जाट महासभा राज्य में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने को लेकर 28 अक्टूबर को महासभा का विशेष अधिवेशन आयोजित करेगा। महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील ने बताया कि इसमें महासभा के राज्य भर से पदाधिकारी भाग लेंगे और इसमें विधानसभा चुनाव को लेकर जाट समाज की भूमिका के बारे में महत्वपूर्ण फैसले लिए जायेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा जाट समाज की लगातार उपेक्षा की जा रही है और विधानसभा चुनाव 2018 में कांग्रेस पार्टी द्वारा जाट समाज को वर्ष 2013 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले छह टिकटे कम दी गई थी। उन्होंने कहा कि अगर जाट समाज को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया तो समाज कड़ा फैसला लेने के लिए मजबूर होगा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले पांच साल में जाट समाज को हासिये पर धकेलने की पूरी कोशिश की गई हैं, चाहे ओबीसी आरक्षण में विसंगति को हटाने में देरी के संबंध में हो या उस विसंगति के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए शेडोपोस्ट की मुख्य मांग को दरकिनार के संबंध में हो, लगातार देखा जा रहा है कि समाज के खिलाफ षड़यंत्र करने वालों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

श्री मील ने कहा कि राज्य में जाट समाज की 20 प्रतिशत जनसंख्या है तथा समाज हमेशा से कांग्रेस के साथ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों हुए जाट महाकुंभ में हमारी मुख्य मांग थी कि जिनकी जितनी भागीदारी उनकी उतनी हिस्सेदारी के फार्मूले से जाट समाज को 40-40 सीटे दोनों मुख्य पार्टियों द्वारा दी जाये। उन्होंने कहा कि हालांकि भाजपा द्वारा लगातार सीटों में बढ़ोत्तरी के बावजूद पूरा कोटा नहीं दिया जा रहा है। इन सब मुद्दों पर चर्चा के लिए महासभा का अधिवेशन आयोजित किया जायेगा।

कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी

25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, बेटियों को 251000 देने का 'वचन', प्रदेश की आइपीएल टीम बनाएंगे

भोपाल। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस अपना वचन पत्र मंगलवार दोपहर जारी किया। इसमें युवा, महिला और किसानों पर फोकस किया गया। महिलाओं के लिए प्रियदर्शिनी नाम से अलग से प्रविधान किए गए हैं। पार्टी की ओर से घोषित गारंटियों को शामिल करते हुए वचन पत्र को अंतिम रूप दिया गया है। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ, महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और वचन पत्र समिति के अध्यक्ष डा. राजेंद्र कुमार सिंह, दिग्विजय सिंह, कांतिलाल भूरिया, विवेक तन्खा समेत अनेक नेता पीसीसी दफ्तर में मौजूद हैं।

इन बातों का 'वचन'-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने पार्टी के वचन पत्र विमोचन के मौके पर कहा कि कांग्रेस का चुनाव में नारा रहेगा 'कांग्रेस आएगी खुशहाली लाएगी'। कांग्रेस सरकार ढाई हजार रुपए प्रति क्विंटल धान और गेहूं 2600 क्विंटल की दर पर खरीदेंगे। उपज का 3000 की क्विंटल देने का मिशन। 2 रुपये किलो की दर से गोबर खरीदा जाएगा। नंदिनी योजना प्रारंभ होगी। 2 लाख पदों पर भर्ती की जाएगी। युवा स्वाभिमान योजना प्रारंभ होगी 1500 से 3000 रुपये तक दिए जाएंगे। 25 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा देंगे स्वास्थ्य का अधिकार कानून बनाया जाएगासामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना 1200 रुपये प्रतिमाह की जाएगी। मेरी बेटी योजना में 251000 रुपये दिए जाएंगे। आइपीएल में मध्य प्रदेश की टीम बने, इसका प्रयास किया जाएगा। आउटसोर्सिंग

कर्मचारी के साथ न्याय होगा।

वचन पत्र में ये प्रविधान-इससे पहले प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि वचन पत्र में महिलाओं के लिए जो प्रविधान किए गए हैं, उन्हें अलग से प्रियदर्शिनी नाम से प्रदर्शित किया गया है। पार्टी ने महिलाओं को डेढ़ हजार रुपये प्रतिमाह और पांच सौ रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देने की घोषणा की है। एक करोड़ से अधिक बिजली उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली निश्शुल्क और 200 यूनिट आधी दर पर देने, कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू करने, किसानों को कर्ज माफी देने, पांच हार्सपावर तक के कृषि पंप के लिए निश्शुल्क बिजली, पुराने बिजली बिल की माफी, सिंचाई के लिए 12 घंटे बिजली देने, पुराने प्रकरणों की वापसी, स्कूली बच्चों को प्रतिमाह 500 से 1,500 रुपये देने के लिए पढ़ो पढ़ाओ योजना, आदिवासियों के ऊपर दर्ज प्रकरणों की वापसी, 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या वाली आदिवासी बहुल क्षेत्रों को छठवीं अनुसूची में शामिल करने, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिलवाने और सरकार में आने पर जाति आधारित गणना कराने की गारंटी भी दी गई है।

मैं कमल नाथ के लिए विष पीने को तैयार - दिग्विजय सिंह

कांग्रेस वचन पत्र के विमोचन कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ और सांसद दिग्विजय सिंह आजू-बाजू में बैठे। इस अवसर पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि मैं कमल नाथ के लिए विष पीने के लिये तैयार हूं। उधर कमल नाथ ने भी दिग्विजय से मतभेद की अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि कि दिग्विजय सिंह से मेरा राजनीतिक संबंध नहीं, बल्कि पारिवारिक संबंध है।

शिवराज ने दी यह प्रतिक्रिया

कांग्रेस का वचन पत्र जारी होने से पहले सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस के वचनों को लेकर कहा कि कांग्रेस के वचनों में कितना दम है? मध्यप्रदेश की जनता यह अच्छे से जानती है।

मेरठ में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, चार मरे और दो घायल

मेरठ। उत्तर प्रदेश में मेरठ के लोहिया नगर क्षेत्र में मंगलवार सुबह अवैध रूप से संचालित एक पटाखा फैक्ट्री में हुये भीषण विस्फोट में चार श्रमिकों की मृत्यु हो गयी जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि लोहिया नगर स्थित एक बंद पड़े मकान में अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री चलाई जा रही थी। आज सुबह अचानक जोरदार विस्फोट के बाद मकान का ऊपरी हिस्सा गिर गया और आग लग गई।

> ● जिलाधिकारी दीपक मीणा ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि लोहिया नगर स्थित एक बंद पड़े मकान में अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री चलाई जा रही थी।

उन्होने बताया कि इस हादसे में दो श्रमिकों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी जबकि दो अन्य ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। विस्फोट से घायल एक अन्य की हालत भी गंभीर बनी हुयी है। इस बीच राहत एवं बचाव कार्य में लगा एक जेपीसी चालक मलबे का एक हिस्सा गिरने से घायल हुआ है। मृतकों की पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विस्फोट इतना भीषण था कि आस पास के मकान और एक स्कूल की खिड़कियों के शीशे तक टूट गये, जिससे अफरा तफरी मच गई। इसके अलावा पास से गुजरने वाली बिजली की हाई वोल्टेज 33 हजार की लाइन के खंभे भी टेढ़े हो गये। पुलिस ने बताया कि यह मकान संजय गुप्ता का है और गौरव त्यागी नामक व्यक्ति ने उसे किराये पर ले रखा था। मौके से भारी संख्या में पटाखे बरामद किया गया हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जनता का भरोसा तोड़ा...

निठारी मामले में हाई कोर्ट ने सीबीआई को 'लताड़ा', मासूमों का कातिल कौन?

प्रयागराज। नोएडा के निठारी कांड में दोषी पाए गए सुरेंद्र कोली और मनिंदर सिंह पंढेर को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बरी करते हुए फांसी की सजा रद्द कर दी है। हाई कोर्ट ने सीबीआई और नोएडा पुलिस की जांच पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर अमानवीय तरीके हुई मासूमों की हत्याओं की जांच करने में इतनी गड़बड़ियां क्यों की गईं? कोर्ट ने कहा कि सबूतों को इकट्ठा करने के नियमों को बेशर्मी से तोड़ा गया। बता दें कि सुरेंद्र कोली कौ 12 मामलों में बरी किया गया है।

हाई कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों ने जनता का भरोसा तोड़ा है। सैयद आफताब हुसैन रिजवी और जस्टिस अश्वनी मिश्रा की पीठ ने कहा कि इस तरह के गंभीर मामले में भी जांच एजेंसियां सबूत देने में नाकाम रहीं। इस मामले में गिरफ्तारी का तरीका, सबूतों को इकट्ठा करना और फिर जुर्म कबूल करवाने की प्रक्रिया गलत थी। बता दें कि इस मामले में सुरेंद्र कोली के साथ उसका घरेलू नौकर पंढेर आरोपी था। कोर्ट ने कहा, ऐसा लगता है कि जांच एजेंसियों को एक गरीब नौकर को फंसाना ज्यादा आसान लगता था। अंग तस्करी जैसे गंभीर मामले की जांच बेहद ढिलाई के साथ की गई और पर्याप्त सबूत नहीं इकट्ठा किए गए।

क्या था निठारी कांड

सीबीआई का कहना था कि कोली ने रेप और मर्डर की बात कबूली थी। सीबीआई ने कहा था कि कोली ने यह भी माना कि वह मानव मांस खाता

था। बता दें कि 2006 में सामने आए निठारी कांड ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। नोएडा के पास निठारी गांव में मोनिंदर पढेंर के घर पर हत्याएं हुई थीं। कोली और पंढेर पर 31 बच्चों की हत्या के आरोप लगे थे। इसमें 10 लड़कियां भी शामिल थीं। मोनिंदर के घर के पीछे के नाले से 19 नरकंकाल मिले थे। इसके बाद 2006 में कोलीऔर पंढेर को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। 2017 में पिंकी की हत्या और रेप के मामले में कोली औरपंढेर को दोषी ठहराया गया। रिंपा हलदर की हत्या के मामले में कोली को 2015 में फांसी की सजा को उम्रकैद में तब्दील कर दिया गया था।

जनता के साथ धोखाः हाई कोर्ट

हाई कोर्ट ने कहा कि इस मामले में एजेंसियों का तर्क बदलता रहा है। महिला और बाल विकास मंत्रालय की कमिटी की सिफारिशों के बावजूद जांच में ढिलाई की गई। यह जनता के साथ धोखा है। हाई कोर्ट ने कहा कि पुलिस और सीबीआई ने पंढेर और कोली को यातनाएं दीं। 60 दिन की रिमांड कके दौरान बिना मेडिकल एग्जामिनेश और कानूनी सहायता उपलब्ध करवाए उनसे जुर्म कबूल करवाया गया। बता दें कि कोली को पांच अलग मामलों में भी फांस की सजा सुनाई गई थी लेकिन दो बार वह बच गया। कोली ने राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के सामने दया चाचिका भी रखी थी जो कि रिजेक्ट कर दी गई थी। हालांकि बाद में हाई कोर्ट ने उसकी सजा को उम्रकैद में तब्दील कर दिया।

पंजाब सासंद विक्रमजीत साह्नी बोले

कनाडा में भारतीय प्रवासियों को दिया जाए वीजा

नई दिल्ली। पंजाब से राज्यसभा सदस्य विक्रमजीत साहनी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से कनाडा में भारतीय मूल के लोगों के लिए वीजा सेवा दोबारा शुरू करने का अनुरोध किया है। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो द्वारा खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की भूमिका होने का आरोप लगाने के बाद से राजनयिक विवाद खड़ा हो गया था। भारत ने आरोप को खारिज करते हुए सितंबर में अगले आदेश तक कनाडा में वीजा सेवा पर रोक लगा दी थी। राज्यसभा सदस्य विक्रमजीत साहनी ने कहा कि कनाडा में कई प्रवासियों के पास ओवरसीज सिटीजन आफ इंडिया (ओसीआइ) कार्ड नहीं है। उन्हें पारिवारिक परेशानियों के बावजूद भारत का वीजा प्राप्त करने में असमर्थता के संबंध में कनाडा में रह रहे भारतीय प्रवासियों विशेष रूप से पंजाबियों के अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। पंजाब के हर

दूसरे घर का कोई न कोई सदस्य कनाडा में है। वीजा नहीं मिलने से कनाडाई भारतीय प्रवासियों को दिक्कत हो रही है।

21 अक्टूबर को इसरो लॉन्च करेगा पहली परीक्षण उड़ान, अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा होगी सुनिश्चित

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि गगनयान मिशन के तहत 21 अक्टूबर को परीक्षण उड़ान लांच करेगा। टेस्ट व्हीकल अबार्ट मिशन-1 (टीवी-डी 1) के साथ करू एस्केप सिस्टम का इनफ्लाइट एबार्ट टेस्ट किया जाएगा। इसका उद्देश्य गगनयान मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। परीक्षण के दौरान माड्यूल को अंतरिक्ष में ले जाया जाएगा। इसके साथ इसे पृथ्वी पर वापस लाकर बंगाल की खाड़ी में उतारा जाएगा। गगनयान मिशन के तहत तीन अंतरिक्षयात्रियों के दल को 400 किमी की कक्षा में ले जाया जाएगा। इसके बाद उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाकर भारत मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करेगा।

इसरो ने एक्स पर पोस्ट किया, मिशन गगनयान

टीवी-डी1 परीक्षण उड़ान 21 अक्टूबर, 2023 को सुबह सात बजे से नौ बजे के बीच एसडीएससी-एसएचएआर, श्रीहरिकोटा से निर्धारित है। इससे पहले इसरो प्रमुख सोमनाथ ने शनिवार को कहा था, पहली परीक्षण उड़ान के बाद हमने तीन और परीक्षण मिशनों, डी2, डी3, डी4 की योजना बनाई है।

आर. प्रगनानंद विज्ञान व प्रौद्योगिकी को देंगे बढ़ावा

इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने कहा कि शतरंज ग्रैंडमास्टर आर. प्रगनानंद युवाओं के बीच विज्ञान व प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए इसरो के साथ काम करेंगे। उन्होंने युवा शतरंज खिलाड़ी प्रगनानंद से उनके आवास पर मुलाकात के बाद कहा, हमें गर्व है कि हमारे पास एक प्रज्ञान चंद्रमा पर है और जमीन पर प्रगनानंद हैं।

हमने भारत के लिए जो चंद्रमा पर किया है, वह उन्होंने धरती पर किया है। मुझे खुशी है कि प्रगनानंद भारत को गौरवशाली व शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए हमारे साथ मिलकर युवाओं को पाठ्यक्रम में विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विषय लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

LGBT समुदाय को झटका

सुप्रीम कोर्ट का समलैंगिक विवाह को मंजूरी से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सेम सेक्स मैरिज या समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया है। 5 जजों की पीठ ने यह फैसला सुनया, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस हिमा कोहली, जस्टिस एस रवींद्र भट्ट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा शामिल रहे। खास बात है कि बेंच ने पहले ही साफ कर दिया है कि यह मामला स्पेशल मैरिज एक्ट 1954 के दायरे में रहेगा। कोर्ट ने 11 मई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। फैसले में जस्टिस कोहली, जस्टिस भट्ट और जस्टिस नरसिम्हा की राय CJI चंद्रचूड़ और जस्टिस कौल से अलग रही। ऐसे में मामला 3-2 को हो गया और अदालत ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया। 3-2 के साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि नॉन हेट्रोसेक्शुल को साझा रूप से बच्चा गोद लेने की अनुमति नहीं दे सकते। पांचों न्यायाधीशों में से चार ने अलग-अलग फैसला सुनाया। इनमें सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस कौल शादी को मान्यता देने के पक्ष में नजर आए। वहीं, जस्टिस भट्ट, जस्टिस कोहली और जस्टिस नरसिम्हा ने इसे मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती। जब शादी का अधिकार सिर्फ वैधानिक होता है और मौलिक नहीं, तो इसे कानूनी तौर पर लागू नहीं किया जा सकता। मंगलवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश

ने साफ कर दिया है कि अदालत की तरफ से कानून नहीं बनाया जा सकता और विशेष विवाह अधनियिम में बदलाव का अधिकार संसद के पास है। खास बात है कि कोर्ट ने पहले ही साफ कर दिया था कि समलैंगिक विवाह स्पेशल मैरिज एक्ट के ही दायरे में रहेगी। CJI ने कहा कि यह संसद को देखना होगा कि SMA में बदलाव की जरूरत है या नहीं। उन्होंने कहा, यह अदालत कानून नहीं बना सकती। यह केवल उसके बारे में बता सकती है और उसे प्रभाव में ला सकती है। उन्होंने बताया कि अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का बयान रिकॉर्ड कर लिया है, जिसमें उन्होंने क्वीर यूनियन में शामिल लोगों के अधिकार तय करने के लिए समिति गठित करने की बात कही थी। उन्होंने इस दौरान सरकार को भी समलैंगिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए कदम उठाने के निर्देश सरकार को दिए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस को भी समलैंगिक जोड़े के खिलाफ उनके रिश्ते को लेकर शुरुआती जांच के बाद ही स्नढ्ढक्र दर्ज करनी होगी। उन्होंने कहा कि समलैंगिकता शहरी या अपर क्लास तक सीमित नहीं है। अपने फैसले में सीजेआई ने कहा कि मौजूदा कानूनों के तहत हेट्रोसेक्शुअल संबंधों (हेट्रोसेक्शुअल यानी ऐसा रिश्ता जिसमें शामिल व्यक्ति विपरीत लिंग की ओर आकर्षित होता है) में शामिल ट्रांसजेंडर को शादी करने का अधिकार होता है। उन्होंने कहा कि क्वीर कपल समेत अविवाहित लोग साझा तौर पर बच्चे को गोद भी ले सकते हैं। अब तक अविवाहित जोड़े के बच्चा गोद लेने पर रोक थी। जस्टिस एसआर भट्ट CJI के फैसले से असहमत नजर आए और उन्होंने कहा कि कानूनी शादी का अधिकार सिर्फ अधिनियमित कानून के जरिए ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह सीजेआई की कुछ बातों से सहमत और कुछ से असहमत हैं। उन्होंने कहा कि अदालत को इस मामले में संयम रखना चाहिए और इसका फैसला बहस और चर्चा के जरिए संसद पर छोड़ देना चाहिए। इस मामले में अंतिम फैसला सुनाने आए जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि शादी का अधिकार सिर्फ वैधानिक अधिकार है। यह संवैधानिक अधिकार नहीं है।

20 से ज्यादा याचिकाएं शीर्ष न्यायालय में दाखिल हुई थीं, जिसमें समलैंगिक विवाह को कानून के तहत मंजूरी देने की मांग की गई थी। याचिका दाखिल करने वालों में सेम सेक्स कपल्स, सामाजिक कार्यकर्ता और कुछ संगठन थे। उन्होंने SMA, हिंदू मैरिज एक्ट, फॉरेन मैरिज एक्ट और विवाह से जुड़े अन्य कानूनों के प्रावधानों को चुनौती दी थी कि ये समलैंगिक जोड़ों को मौजूदा कानूनी व्यवस्था के तहत शादी के अधिकार नहीं देते हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में आज कुछ गिरावट है। ब्रेंट क्रूड का भाव 90 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक मंगलवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.04 डॉलर यानी 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 89.61 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.24 डॉलर यानी 0.26 फीसदी लुढ़ककर 86.42 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम को आय से अधिक संपत्ति मामले में राहत, जांच पर लगा स्टे हटाने से इंकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आय से अधिक संपत्ति मामले में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई जांच पर लगी अंतरिम रोक हटाने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के 12 जून के आदेश को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर शिवकुमार को नोटिस जारी किया। इस रोक के कारण केंद्रीय एजेंसी की आगे की जांच रुक गई है। अतिरिक्त सॉलीसीटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि सीबीआई की 90 प्रतिशत जांच पूरी हो चुकी है लेकिन उच्च न्यायालय के अंतरिम स्थगन आदेश के कारण यह आगे नहीं बढ़ रही है। उन्होंने पीठ से इस आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया जिस पर पीठ ने कहा कि वह एकतरफा रोक नहीं लगा सकती। शीर्ष अदालत ने शिवकुमार से सात नवंबर तक जवाब मांगा है।

पीएलआई पर समिति ने इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए 1,000 करोड़ रुपये के वितरण को मंजूरी दी

नई दिल्ली। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पर एक अधिकार प्राप्त समिति ने इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की लाभार्थी कंपनियों को 1,000 करोड़ रुपये के वितरण की मंजूरी दे दी है। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार को इस योजना के तहत 3,400 करोड़ रुपये के दावे मिले हैं, जिसमें से मार्च, 2023 तक वह 2,900 करोड़ रुपये का वितरण कर चुकी है। इस योजना का उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना, नौकरियों को सृजन करना और निर्यात का समर्थन करना है। अधिकारी ने बताया, ''समिति की हालिया बैठक में इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना के तहत 1,000 करोड़ रुपये के वितरण को मंजूरी दी गई। लाभार्थी कंपनियों को वास्तविक भुगतान में अभी कुछ और दिन लगेंगे।'' यह चालू वित्त वर्ष का पहला वितरण होगा। इस योजना की घोषणा 2021 में 14 क्षेत्रों के लिए की गई थी। इनमें बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, व्हाइट गुड्स (मसलन रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन आदि), कपड़ा, चिकित्सा उपकरण विनिर्माण, वाहन, विशेष प्रकार का इस्पात, खाद्य उत्पाद, उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल, एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल बैटरी, ड्रोन और फार्मास्युटिकल्स शामिल हैं। इस योजना का परिव्यय कुल 1.97 लाख करोड़ रुपये है। यह योजना इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और चिकित्सा उपकरण जैसे क्षेत्रों में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। मोबाइल फोन और निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों सहित बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए पीएलआई योजना के तहत 32 लाभार्थियों को मंजूरी दी गई थी।

एचडीएफसी बैंक को दूसरी तिमाही में 16,811 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजों का ऐलान कर दिया है। बैंक को जुलाई-सितंबर तिमाही में 16,811 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है।

बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 16,811 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, मूल कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड में एचडीएफसी बैंक के विलय के बाद जारी पहले नतीजों में बैंक ने एकल आधार पर 15,976 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। एक साल पहले की समान अवधि में एचडीएफसी बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ 11,162 करोड़ रुपये और एकल शुद्ध लाभ 10,606 करोड़ रुपये था। एचडीएफसी के मुताबिक एकल आधार पर बैंक की कुल आय बढ़कर 78,406 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 46,181 करोड़ रुपये थी। बैंक ने बताया कि शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) घट कर 3.4 फीसदी रह गया। इसके अलावा बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात 1.34 फीसदी था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर बैंक का शेयर 0.47 फीसदी के नुकसान के साथ 1,529.50 रुपये पर बंद हुआ।

भर्ती के लिए घूस लेने पर टीसीएस के 16 कर्मचारी निलंबित, छह वेंडर्स पर प्रतिबंध

नई दिल्ली। घूस लेकर कर्मचारियों की भर्ती करने के मामले में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) ने अपने 16 कर्मचारियों को निकाल दिया है। तीन को रिसोर्स प्रबंधन से हटाकर दूसरे विभाग में भेज दिया है। 6 वेंडर्स पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

कंपनी ने कहा, हम 19 कर्मचारियों की जांच कर रहे थे। इस मामले में 16 के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जिन्होंने कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया है। 6 वेंडरों के साथ उनके अन्य सहयोगियों और मालिकों को भी प्रतिबंधित किया गया है।? इस साल जून में आरोप लगा था कि कंपनी की भर्ती प्रक्रिया में घोटाला हो रहा है। इसके बाद टीसीएस ने इसकी जांच की थी और कहा था कि भर्ती गतिविधियां रिसोर्स मैनेजमेंट ग्रुप नियंत्रित नहीं करती है। इसलिए, कथित घोटाले का आरोप गलत है। टीसीएस ने बताया, वह गवर्नेंस को और मजबूत करेगी। इसमें संसाधन प्रबंधन कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कर्मियों का नियमित रोटेशन, आपूर्तिकर्ता प्रबंधन की जांच, वेंडरों की ओर से घोषणाओं और अन्य की जांच होती रहेगी। टाटा समूह ने कहा कि मामला कुछ कर्मचारियों व ठेकेदारों की आपूर्ति करने वाले विक्रेताओं की ओर से कंपनी की आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ा था। कंपनी का कोई भी प्रमुख कर्मचारी इसमें शामिल नहीं है।

सरकार ने वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस की वैधता अवधि बढ़ा कर 10 साल की

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विमानन क्षेत्र को सुगम एवं बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत नियमों में संशोधन किया है। इसके तहत वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस की वैधता अवधि बढ़ा कर 10 साल कर दी गई है। अभी तक वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) की वैधता पांच साल होती थी। ये अवधि पूरी होने के बाद इसका नवीनीकरण कराना होता था। नागर विमानन मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि मंत्रालय ने विमान नियम, 1937 में संशोधन किया है। मंत्रालय ने इन संशोधनों के तहत एयरलाइन ट्रांसपोर्ट पायलट लाइसेंस (एटीपीएल) और सीपीएल धारकों के लाइसेंस की वैधता को पांच साल से बढ़ा कर 10 साल कर दी है। अभी तक वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) की वैधता पांच साल थी, जिसे अवधि पूरी होने के बाद नवीनीकरण कराना होता था। मंत्रालय ने इसके साथ ही हवाई अड्डे के आसपास 'रोशनी' संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए भी नियमों में संशोधन किया गया है। वहीं, एक अन्य संशोधन के तहत विदेशी लाइसेंस के सत्यापन की आवश्यकता को हटा दिया है। इसके अलावा एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) लाइसेंस धारकों के लिए संबंधित जरूरतों को और उदार बनाया गया है। मंत्रालय के मुताबिक 10 अक्टूबर को अधिसूचित विमान नियम 1937 में संशोधन विमानन क्षेत्र में सुगमता को बढ़ावा देने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक है। इसी के तहत कई एयरलाइंस कंपनियां अपने विमान बेड़े का विस्तार कर रही हैं। वे बढ़ती हवाई यातायात मांग को पूरा करने के लिए अधिक पायलटों को नियुक्त करेंगी।

मारुति के निदेशक मंडल ने जापानी मूल कंपनी से एसएमजी हिस्सेदारी खरीदने के लिए शेयर खरीद समझौते को दी मंजूरी

नई दिल्ली: मारुति सुजुकी इंडिया के निदेशक मंडल ने सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन से सुजुकी मोटर गुजरात (एसएमजी) का पूर्ण अधिग्रहण करने के लिए शेयर खरीद समझौते पर आगे बढ़ने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी ने 10 रुपए प्रति शेयर के भाव पर 12,84,11,07,500 शेयर हासिल करने के लिए एसएमसी और एसएमजी के साथ शेयर खरीद तथा सदस्यता समझौता (एसपीएसए) निष्पादित किया है, जो 12,841.1 करोड़ रुपए की कुल खरीद पर एसएमसी के स्वामित्व वाली एसएमजी की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करता है। शेयरधारकों की मंजूरी के लिए मतदान बुधवार से शुरू होगा और एक महीने तक चलेगा। इस अधिग्रहण के बाद सुजुकी मोटर गुजरात (एसएमजी) उसकी (एमएसआई) पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी बन जाएगी।

बैंक ऋण धोखाधड़ी: भूषण स्टील लिमिटेड के 30 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, मुखौटा कंपनियों में पैसा लगाने का आरोप

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 56 हजार करोड़ रुपये के कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में पूर्ववर्ती भूषण स्टील लिमिटेड के प्रवर्तकों और इकाइयों के खिलाफ धनशोधन की जांच के तहत नए सिरे से तलाशी ली है। एजेंसी ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, हरियाणा, कोलकाता, मुंबई और भुवनेश्वर (ओडिशा) में 30 स्थानों पर पिछले सप्ताह 13 अक्तूबर को छापे मारे गए और उनका सर्वेक्षण किया गया। धनशोधन का यह मामला कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाली जांच एजेंसी, गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) द्वारा दायर आरोपपत्र से उपजा है।

एजेंसी ने एक बयान में आरोप लगाया कि जांच में पाया गया कि पूर्ववर्ती भूषण स्टील लिमिटेड (बीएसएल) और उसके प्रबंध निदेशक नीरज सिंघल और उनके सहयोगियों ने कई मुखौटा कंपनियां बनाई। कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) को पूरा करने के बाद 2018 में भूषण स्टील का टाटा स्टील लिमिटेड ने अधिग्रहण कर लिया था।

ईडी ने आरोप लगाया कि बीएसएल से जुड़े प्रवर्तकों और इकाइयों ने कई इकाइयों के माध्यम से एक कंपनी से दूसरी कंपनी में धन को इधर-उधर किया। इसमें दावा किया गया है, धन को पूंजी डालने, संपत्ति खरीदने और अन्य व्यक्तिगत उद्देश्यों के लिए वितरित किया गया था।

बीएसएल के प्रवर्तकों, निदेशकों और अधिकारियों ने जाली दस्तावेज तैयार किए और बैंकों के समक्ष धोखाधड़ी से एलसी (साख पत्र) में छूट दी और गलत इरादे से धन को अपनी कंपनियों के जाल में वापस भेज दिया, जिससे भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक को गलत तरीके से नुकसान हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, हरियाणा, कोलकाता, मुंबई और भुवनेश्वर (ओडिशा) में 30 स्थानों पर पिछले सप्ताह 13 अक्तूबर को छापे मारे गए और उनका सर्वेक्षण किया गया।

उन्होंने कहा, तलाशी अभियान के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए गए। डिजिटल साक्ष्य नीरज सिंघल के प्रमुख कर्मचारियों/विश्वासपात्रों के पास छिपे हुए पाए गए। एजेंसी ने छापेमारी के दौरान 72 लाख रुपये नकद, करीब 52 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा/यात्री चेक और चार करोड़ रुपये मूल्य की तीन लग्जरी कारें (मर्सिडीज बेंज) भी जब्त की। सिंघल को ईडी ने इस साल जून में गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने इस मामले में 61.38 करोड़ रुपये की संपत्ति भी कुर्क की थी।

बैंक ऑफ चाइना के पूर्व प्रमुख गिरफ्तार, घूस लेने और अवैध रूप से कर्ज देने का है आरोप

बीजिंग। चीन ने वित्तीय क्षेत्र को निशाना बनाने के लिए दो साल से चलाए जा रहे भ्रष्टाचार रोधी अभियान के बीच रिश्वत लेने और अवैध रूप से कर्ज देने के आरोप में देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंकों में से एक के पूर्व प्रमुख को गिरफ्तार किया है।

सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार की जांच कर रहे चीन के सेंट्रल कमीशन फॉर डिसिप्लिन इंस्पेक्शन (सीसीडीआई) ने सोमवार को कहा कि मार्च में जांच शुरू करने की घोषणा करने के बाद बैंक ऑफ चाइना के पूर्व प्रमुख लियू लियांगे को गिरफ्तार कर लिया गया है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भ्रष्टाचार से लड़ने को अपनी राजनीतिक परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया है क्योंकि उन्होंने सर्वोपरि नेता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। 2021 के अंत में अधिकारियों की ओर से वित्तीय क्षेत्र को लक्षित करना शुरू करने के बाद से बड़ी संख्या में बैंकरों और फाइनेंसरों को जांच का सामना करना पड़ा है। शी लंबे समय से कहते रहे हैं कि वित्तीय क्षेत्र को वास्तविक अर्थव्यवस्था की सेवा करनी चाहिए, जो धीमी वृद्धि और उच्च युवा बेरोजगारी से जूझ रही है। रॉयटर्स के अनुसार, वित्तीय क्षेत्र के कई अन्य लोग भी जांच के दायरे में हैं या उनपर आरोप लगे हैं, इनमें चीन के एक स्टार फंड मैनेजर वांग यावेई भी शामिल हैं। वहीं, चीन की सबसे बड़ी बीमा कंपनियों में से एक चाइना लाइफ इंश्योरेंस के पूर्व अध्यक्ष वांग बिन को पिछले महीने एक अदालत ने भ्रष्टाचार का दोषी पाया था और उन्हें निलंबित मौत की सजा सुनाई थी, इसके बाद वह अपना शेष जीवन जेल में बिताएंगे।

लियू को पिछले हफ्ते कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। सीसीडीआई द्वारा उनपर देश में प्रतिबंधित प्रकाशन लाने, अवैध रूप से रिश्वत लेने और निजी क्लबों व स्की रिसॉर्ट्स में मनोरंजन स्वीकार करने का आरोप लगाया गया था। बैंक ऑफ चाइना राज्य के स्वामित्व वाले चार बड़े चीनी बैंकों में से एक है। यह वैश्विक वित्तीय स्थिरता के मामले में टॉप 11 बैंकों में रैंक करता है। वित्तीय स्थिरता बोर्ड के अनुसार यह वैश्विक वित्तीय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के अनुसार, संपत्ति के मामले में यह दुनिया का चौथ सबसे बड़ा बैंक है।

महुआ मोइत्रा के पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में अदाणी समूह ने दी प्रतिक्रिया, बयान जारी कर ये कहा

नई दिल्ली। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा पर व्यवसायी से पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में अब अदाणी समूह ने भी बयान जारी कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अदाणी समूह ने इसे चौकाने वाला घटनाक्रम बताया है। अदाणी समूह ने एक अपने बयान में कहा, 'एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में, रविवार, 15 अक्टूबर 2023 को, सुप्रीम कोर्ट के एक वकील जय अनंत देहाद्राई ने एक शपथ पत्र के रूप में एक माननीय द्वारा एक विस्तृत आपराधिक साजिश के कमीशन को रिकॉर्ड में लाते हुए सीबीआई के पास शिकायत दर्ज की।'

अदाणी समूह ने अपने बयान में कहा, 'संसदीय प्रश्नों के माध्यम से गौतम अदाणी और उनकी कंपनियों के समूह पर आरोप लगाए गए। ऐसा बदले की भावना से किया गया। इसके लिए मोइत्रा ने हीरानंदानी से रिश्वत और अनुचित लाभ प्राप्त किया।' अदाणी समूह ने कहा, 'यह घटनाक्रम 9 अक्टूबर 2023 के हमारे बयान की पुष्टि करता है कि कुछ समूह और व्यक्ति हमारे नाम, सद्भावना और बाजार की स्थिति को नुकसान पहुंचाने के लिए ओवरटाइम कर रहे हैं। इस विशेष मामले में, एक अधिवक्ता की शिकायत से पता चलता है कि अदाणी समूह और हमारे अध्यक्ष गौतम अडानी की प्रतिष्ठा और हितों को नुकसान पहुंचाने की यह व्यवस्था 2018 से चली आ रही है।'अदाणी समूह ने अपने बयान में कहा है कि मोइत्रा को हीरानंदानी से रिश्वत और अनुचित लाभ मिले। समूह ने कहा, ÷हम यह भी समझते हैं कि एक अन्य सांसद ने लोकसभा अध्यक्ष को शिकायत भेजकर अनुरोध किया है कि मोइत्रा को निलंबित किया जाए और भ्रष्टाचार की जांच की जाए।

अदाणी समूह ने कहा, 'सोमवार, 9 अक्टूबर 2023 को, हमने एक मीडिया स्टेटमेंट और एक्सचेंज फाइलिंग के माध्यम से जनता को अवगत कराया था कि 'ओसीसीआरपी जैसी कुछ विदेशी संस्थाओं ने, विदेशी मीडिया के एक वर्ग, लघु-विक्रेताओं और घरेलू सहयोगियों की मदद से एक शृंखला शुरू की है अदाणी समूह के बाज़ार मूल्य को कम करने के प्राथमिक इरादे से उसके खिलाफ़ हमले कर रहा है। वास्तव में, इन व्यक्तियों और समूहों का उद्देश्य अदाणी समूह को नुकसान पहुंचाना और समूह के खिलाफ एक प्लेबुक विकसित करना है। इस भारत भारत और विदेश दोनों जगहों से काम करने वाली एक अच्छी तरह से संचालित और पेशेवर मशीनरी की ओर से क्रियान्वित किया जा रहा है। अदाणी समूह के प्रवक्ता ने कहा, 'हम अपने शेयरधारकों सहित अपने सभी हितधारकों के हित में यह बयान जारी कर रहे हैं।'

ठेकेदार समेत अन्य लोगों पर आयकर की छापेमारी जारी; 94 करोड़ की नकदी, आठ करोड़ की ज्वैलरी जब्त

बीजिंग। कर्नाटक में एक ठेकेदार, उसके बेटे, एक व्यायामशाला प्रशिक्षक और एक वास्तुकार सहित कई लोगों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी सोमवार तक जारी रही। इसके बाद सीबीडीटी ने बयान जारी कर बताया कि विभाग को कर्नाटक और कुछ अन्य जगहों पर सरकारी ठेकेदारों के साथ कुछ और लोगों के खिलाफ छापेमारी के बाद 94 करोड़ रुपये नकद, आठ करोड़ रुपये के आभूषण और 30 मंहगी घड़ियां जब्त की गईं।बयान के मुताबिक, यह छापेमारी 12 अक्तूबर से जारी थी और इसके तहत 55 ठिकानों पर रेड डाली गई। बंगलूरू के अलावा तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और दिल्ली में भी कुछ ठिकानों पर आयकर ने छापेमारी की। इसमें 94 करोड़ रुपये कैश के अलावा सोने और हीरे की आठ करोड़ की ज्वैलरी मिली। इसके अलावा विदेशी ब्रांड्स की 30 घड़ियां भी जब्त हुई हैं। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता जगदीश शेट्टार ने बेंगलुरु में आयकर विभाग के छापे में करोड़ों रुपये जब्त किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पूछा, 'सबूत क्या हैं? केंद्रीय मंत्री आरोप लगा रहे हैं कि चुनाव के लिए 1000 करोड़ रुपये इकट्ठा करने का लक्ष्य है। वह एक जिम्मेदार पद पर हैं, कुछ आधिकारिक जानकारी हो सकती है, इसलिए कृपया इसका खुलासा करें। वह सारी जानकारी संबंधित विभाग को दें।' शेट्टार ने कहा, 'आयकर विभाग ने बेंगलुरु में एक ठेकेदार के घर पर छापा मारा। करीब 40-45 करोड़ रुपये की नकदी का खुलासा किया गया है। आयकर विभाग को नकदी के स्रोत के बारे में पूछताछ करने का पूरा अधिकार है। उन्हें आयकर विभाग पर भरोसा है या नहीं, क्योंकि कुछ नेताओं ने सीबीआई जांच की मांग की है।

अजिंक्य रहाणे का तूफानी अर्धशतक, मुंबई ने हरियाणा को हराया

जयपुर । अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने 32 गेंद पर अर्धशतक जमाया जिससे मौजूदा चैंपियन मुंबई ने यहां हरियाणा को 8 विकेट से करारी शिकस्त देकर सैयद मुश्ताक अली घरेलू टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। हरियाणा ने मुंबई के सामने 148 रन का लक्ष्य रखा था। रहाणे की 43 गेंद पर खेली गई नाबाद 76 रन की परी की मदद से मुंबई 13 ने गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर दिया। रहाणे ने अपनी पारी में 4 चौके और 3 छक्के लगाए। उधर, मोहाली में खेले गए एक अन्य मैच में रुतुराज गायकवाड की 40 गेंद पर खेली गई 82 रन की पारी की मदद से महाराष्ट्र ने बंगाल को 8 विकेट से हराया। गायकवाड़ ने केवल 22 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके और 5 छक्के लगाए। उनके अलावा कप्तान केदार जाधव ने 26 गेंद पर नाबाद 40 रन बनाए जिससे महाराष्ट्र ने 159 रन का लक्ष्य पांच ओवर शेष रहते ही हासिल कर दिया। बंगाल ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर 6 विकेट पर 158 रन बनाए थे।

विश्व कप में पिछली 21 पारियों से लगातार विकेट ले रहे मिचेल स्टार्क

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने क्रिकेट विश्व कप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा है और हर मैच में कम से कम एक विकेट लेने का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा है। लखनऊ के एकाना स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ मैच में स्टार्क ने अपने 10 ओवरों में धनजया डी सिल्वा और लाहिरू कुमारा को आउट करते हुए 2/43 के आंकड़े दिए। इसके कारण स्टार्क अब विश्व कप के पिछले 21 मैचों में 15.79 की औसत 54 विकेट लेने में कामयाब हो गए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/28 का रहा है। विश्व कप में उनके नाम तीन बार 4 विकेट और 3 बार पांच विकेट लेने का कारनामा है।

स्टार्क ने 2019 विश्व कप में 27 विकेट लिए थे तो विश्व कप के एक संस्करण में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड था। यही नहीं, स्टार्क के 41-50 ओवर में आंकड़े और भी शानदार हैं। इस अवधि में स्टार्क ने 177 गेंदें फेंकी हैं और 18 विकेट लिए हैं। जबकि 104 डॉट गेंदें भी उन्होंने फेंकी हैं। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट 4.64 रहा। डेथ ओवरों में स्टार्क के विकेट 7.61 के औसत से आए हैं, यानी वह प्रति विकेट लगभग 7 रन देते हैं। डेथ ओवरों में उनका स्ट्राइक रेट भी 9.8 है, यानी प्रति विकेट उनका औसत 9 गेंद है। बहरहाल, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने लखनऊ के मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ अहम मुकाबला 5 विकेट से जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप में पहले दो मुकाबले भारत और साऊथ अफ्रीका के साथ हुए थे, जिनमें उन्हें हार झेलनी पड़ी थी।

एशियाई खेलों से पहले खेल को अलविदा कहने का मन बना चुकी थी : भालाफेंक खिलाड़ी अन्नुरानी

नई दिल्ली । हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने से पहले अपने लगातार खराब प्रदर्शन से भालाफेंक खिलाड़ी अन्नु रानी इतनी परेशान हो गई थी कि उन्होंने खेल को अलविदा कहने का मन बना लिया था। अन्नु ने भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा, 'इस साल मैने बहुत संघर्ष किया है। मैं विदेश में अभ्यास करने गई थी। सरकार से जिद करके विदेशी कोच से सीखने गई थी लेकिन मेरा प्रदर्शन गिर गया। पूरा साल खराब हो चुका था। एक के बाद एक हर प्रतियोगिता में खराब प्रदर्शन हो रहा था।' उन्होंने कहा, 'मैने एशियाई खेलों से पहले सोच लिया था कि मैं खेल छोड़ दूंगी। इतनी कोशिश के बावजूद कुछ जीत नहीं पा रही थी। सरकार और साइ ने मुझ पर इतना पैसा लगाया है लेकिन मैं प्रदर्शन नहीं कर पा रही थी। बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप के बाद मैने खेल को अलविदा कहने के बारे में सोच लिया था।' अन्नु अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 57.05 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ 11वें स्थान पर रही और फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। वह सितंबर में ब्रसेल्स में डायमंड लीग में 57.74 मीटर के थ्रो के साथ सातवें स्थान पर रही। पूरे सत्र में वह 60 मीटर का आंकड़ा नहीं छू सकी थी। हांगझोउ में एशियाई खेलों में हालांकि 69.92 मीटर के थ्रो के साथ उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर खराब फॉर्म को अलविदा कहा।

ऑस्ट्रेलिया को मिली विश्व कप की पहली जीत, श्रीलंका को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई टीम को आखिरकार क्रिकेट विश्व कप 2023 में अपनी पहली जीत का स्वाद लखनऊ के मैदान पर चखने को मिला। श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को क्रिकेट के तीनों विभागों में मात दे दी। हालांकि श्रीलंकाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पथुम निसांका (61) और कुसल परेरा (78) की बदौलत अच्छी शुरूआत की थी। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने श्रीलंका को मध्यक्रम बुरी तरह चकनाचूर कर दिया और टीम को 209 रन पर ही रोक दिया।

जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भले ही डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ का विकेट जल्द गंवा दिया। लेकिन मिचेल मार्श ने 52, मार्नेस लाबुछेन ने 40 तो जोश इंगलिश ने 58 रन बनाकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। अंत में ग्लेन मैक्सवेल ने क्रीज पर आकर बड़े शॉट लगाए और टीम को 5 विकेट से जीत दिला दी।

इससे पहले श्रीलंका ने अच्छी शुरूआत की और पहले विकेट के 125 रन की साझेदारी की। कुसल परेरा और पथुम निसांका के बीच साझेदारी पेट कमिंस की 22वें ओवर की चौथी गेंद पर टूटी जब निसांका वार्नर के हाथों कैच आउट हो गए। निसांका ने 67 गेंदों पर 61 रन बनाए जिसमें 8 चौके भी शामिल थे। टीम अभी इससे उभरी नहीं थी कि कुसल परेरा 27वें ओवर की दूसरी गेंद पर कमिंस के हाथों बोल्ड हो गए। वह गेंद को पढ़ नहीं पाए और गेंद विकेट्स से जा लगी। उन्होंने 82 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से

78 रन बनाए। 28वें ओवर की अंतिम गेंद पर जम्पा ने कुसल मेंडिस (9) को वार्नर के हाथों कैच आउट करवाया जो क्रीज पर पांव जमाने की कोशिश में थे। सदीरा समरविक्रमा (8) को 30वें ओवर की पहली गेंद पर जम्पा ने एलबीडब्ल्यू किया। बारिश के कारण मैच कुछ देर के लिए रूका और शुरू होने के बाद धनंजय डी सिल्वा (7) स्टार्क के हाथों 33वें ओवर की तीसरी गेंद पर बोल्ड हुए। इसके बाद डुनिथ वेललेज (2) को रन आउट होना पड़ा। 38वें ओवर की आखिरी गेंद पर जम्पा ने चमिका करुणारत्ने () को एलबीडब्ल्यू किया। महेश थीक्षणा (0) जम्पा की 40वें ओवर की दूसरी गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। यह जम्पा का तीसरा एलबीडब्ल्यू और कुल चौथा विकेट था। स्टार्क ने लाहिरु कुमारा (4) को 41वें ओवर की पांचवीं गेंद पर बोल्ड किया।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेविड वार्नर और मिचेल मार्श ने आक्रमक शुरूआत करने की कोशिश की लेकिन वार्नर 6 गेंदों पर 11 रन बनाकर आऊट हो गए। इसी ओवर में स्टीव स्मिथ भी बिना रन बनाए पवेलियन लौट गए। मिचेल मार्श ने 51 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 52 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई पारी को लबुछेन और जोश इंगलिस ने संभाला। लबुछेन ने 60 गेंदों पर 40 रन बनाकर दिलशान मधुशंका के हाथों विकेट गंवाई। दिलशान ने ही वार्नर और मधुशंका को पवेलियन की राह दिखाई थी। मध्यक्रम बल्लेबाज जोश इंगलिस ने इसके बाद एक छोर संभाला और लगातार रन बनाए। उन्होंने वालेगेले की गेंद पर आऊट होने से पहले 59 गेंदों पर 5 चौके और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाए। इसके बाद आए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराऊंडर ग्लेन मैक्सवेल ने पिछली विफलताओं को भुलाते हुए ताबड़तोड़ शॉट लगाए। मैक्सवेल का मार्केस स्टोइनिस ने भी बाखूबी साथ दिया और टीम को 35 ओवर में ही जीत दिला दी। मैक्स्वेल ने 00 तो स्टोइनिस ने 10 रन बनाए।

पोंटिंग ने रोहित शर्मा को माना भारत के लिए आदर्श कप्तान, कोहली को लेकर कही ये बात

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के महान रिकी पोंटिंग ने बताया कि भारत के कप्तान रोहित शर्मा मौजूदा मार्की टूर्नामेंट में भारत के सफलता की कुंजी हैं और उनका मानना है कि दाएं हाथ का बल्लेबाज घरेलू मैदान पर 2023 विश्व कप में जीत के लिए नीले रंग में पुरुषों का नेतृत्व करने के लिए आदर्श कप्तान है। रोहित और विराट कोहली की विशेषताओं की तुलना करते समय ऑस्ट्रेलियाई आइकन ने टिप्पणी की कि भारत के पूर्व कप्तान को बड़े अवसर के दबाव से निपटने के लिए संघर्ष करना पड़ा होगा। पोंटिंग ने आईसीसी को बताया, %वह (रोहित) बहुत शांत स्वभाव का है। वह जो कुछ भी करता है उसमें बहुत शांत रहता है। आप उसके खेलने के तरीके से भी यह देख सकते हैं। वह काफी शांत स्वभाव का बल्लेबाज भी है और मैदान के अंदर और बाहर भी वह इसी तरह का है।' उन्होंने कहा, 'हम चुपचाप बैठकर यह नहीं कह

सकते कि किसी स्तर पर दबाव उन पर हावी नहीं होगा, या इसका उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह टूर्नामेंट की विशालता के साथ होगा। लेकिन वह इसे स्वीकार करेंगे और सामना करेंगे'

पोंटिंग ने कहा कि विश्व कप में भारत का नेतृत्व करने के लिए रोहित सबसे अच्छे व्यक्ति हैं जिससे कोहली को बल्ले से अपनी प्रमुख भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना होगा। पोंटिंग ने कहा, 'विराट जैसा कोई व्यक्ति, जो थोड़ा अधिक दिल से काम करता है और शायद प्रशंसकों की बात सुनता है और प्रशंसकों के साथ थोड़ा अधिक खेलता है, उनके व्यक्तित्व वाले किसी व्यक्ति के लिए यह शायद थोड़ा कठिन होगा।'

ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी ने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि रोहित को इससे कोई दिक्कत नहीं होगी। वह एक शानदार व्यक्ति हैं और लंबे समय से एक महान खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने भारत के कप्तान के रूप में बहुत अच्छा काम किया है।' रोहित की अगुवाई वाली टीम इंडिया विश्व कप में अपनी विजयी फॉर्म बरकरार रखने के लिए पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में बांग्लादेश से भिड़ेगी।

ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका मैच में चली आंधी, होर्डिंग दर्शकों पर गिरे, खेल रोका गया

लखनऊ। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच सोमवार को यहां क्रिकेट विश्व कप मैच के दौरान तेज हवा के कारण इकाना स्टेडियम की छत से कई होर्डिंग नीचे की सीटों पर गिर गए। बारिश के कारण खेल में थोड़ी देर की बाधा आई। खेल दोबारा शुरू होने के बाद धूल भरी आंधी और तेज हवा के कारण छत से ब्रांडिंग सामग्री के साथ लोहे के एंगल निचले स्तर के सीटों पर गिर गए। यह दुर्घटना और खतरनाक हो सकती थी लेकिन दर्शकदीर्घा अपेक्षाकृत खाली थी। इससे हालांकि मैच देखने आए लोगों में थोड़ी खलबली मच गई और स्टेडियम में सार्वजनिक घोषणा में दर्शकों को सुरक्षित सीटों पर जाने के लिए कहा गया। दूसरी पारी शुरू होने तक सुरक्षाकर्मियों ने सभी दर्शकों को सुरक्षित सीटों पर पहुंचा दिया। स्टेडियम ने पिछले सप्ताह विश्व कप के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी की थी।

एडम जंपा ने बराबर किया शेन वॉर्न का बड़ा रिकॉर्ड, यूं दिखाया ऊंगलियों का जादू

सिडनी। क्रिकेट विश्व कप 2023 के तहत ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच लखनऊ के एकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में श्रीलंकाई टीम पहले खेलते हुए महज 209 रन ही बना पाई।

हालांकि पाथुम निसांका और कुसल परेरा ने टीम को अच्छी शुरूआत दी थी लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ा जाने के कारण श्रीलंकाई टीम मजबूत स्कोर तक नहीं पहुंच पाई। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपाने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए एक नया रिकॉर्ड बना दिया।वनडे फॉर्मेट में एडम जंपा ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए लगातार करिश्मे करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने लखनऊ में स्पिनर्स की मददगार पिच पर फिर

से अपनी ऊंगलियों का जादू दिखाया और श्रीलंका के 4 विकेट लिए। इन विकेट के साथ ही जंपा ने शेन वार्न का रिकॉर्ड बराबर कर लिया। वार्न ने अब तक वनडे फॉर्मेट में 13 बार एक पारी में 4 विकेट लेने का कारनामा कर दिखाया था जिसे जंपा ने महज 88 मैचों में ही बराबर कर लिया है। वार्न ने अपने करियर में 194 मैच खेलकर यह रिकॉर्ड बनाया था। जंपा के अब 88 मुकाबलों में 147 विकेट हो गए हैं। उनकी इकोनमी 5.57 चल रही है जबकि उनकी औसत 29 के पास है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न्यूजीलैंड के खिलाफ है जब उन्होंने पिछले साल दूसरे वनडे में महज 35 रन देकर 5 विकेट लिए थे। जंपा अभी तक ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल पाए हैं लेकिन वनडे फॉर्मेट में उनके आंकड़े हर किसी को चौकाने के लिए काफी हैं।

ओलंपिक पदक के लिए तैयारी में बदलाव जरूरी : अविनाश साबले

नई दिल्ली । एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता स्टीपलचेस खिलाड़ी अविनाश साबले ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना आसान नहीं, लेकिन असंभव भी नहीं है लेकिन इसके लिए रणनीति में बदलाव करना होगा और अभ्यास का बेस अमेरिका की बजाय मोरक्को या यूरोप में कहीं रखना होगा। साबले ने हांगझोउ एशियाई खेलों में स्टीपलचेस में स्वर्ण और 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। महाराष्ट्र के बीड जिले के मांडवा के रहने वाले 29 वर्ष के इस खिलाड़ी का लक्ष्य ओलंपिक में भालाफेंक (फील्ड) में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण के बाद स्टीपलचेस (ट्रैक) में भारत को पहला पदक दिलाना है। उन्होंने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, 'पिछले चार पांच साल में मैने प्रदर्शन में जो सुधार किया है, उससे ओलंपिक में स्टीपलचेस में पदक की उम्मीद जगी है। इसके लिए ट्रेनिंग की योजना में बदलाव की जरूरत है। अब सिर्फ टाइमिंग पर फोकस नहीं रखना है। रेस जीतने के लिए रणनीति बनानी पड़ेगी।ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके साबले ने कहा, 'पदक सिर्फ टाइमिंग से नहीं, सटीक रणनीति से मिलते हैं मसलन रेस के दौरान ही फैसले लेना कि कब धीमा भागना है और कब रफ्तार बढ़ानी है। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 1994 के बाद से पोडियम फिनिश करने वाले पहले गैर कीनियाई खिलाड़ी बने साबले ने कहा कि उन्होंने अपने कोचों, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ , भारतीय खेल प्राधिकरण और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के अधिकारियों से बात की है कि अभ्यास का बेस अमेरिका की बजाय मोरक्को या यूरोप में कहीं रखा जाए।'

ओलंपिक से पुराना है क्रिकेट का रिश्ता, पहली बार केवल दो टीमों ने लिया था हिस्सा

नई दिल्ली। क्रिकेट भले ही 128 साल बाद लॉस एंजिल्स में ओलंपिक खेलों में वापसी करेगा लेकिन इस खेल का ओलंपिक से पुराना रिश्ता रहा है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले खेलों में क्रिकेट को शामिल करने की मंजूरी दे दी है।

यह ओलंपिक इतिहास में दूसरा अवसर होगा जबकि क्रिकेट इन खेलों का हिस्सा बनेगा। इससे पहले पेरिस ओलंपिक 1900 में क्रिकेट ओलंपिक कार्यक्रम का हिस्सा था। पेरिस ओलंपिक 1900 में क्रिकेट में केवल दो टीमों ने हिस्सा लिया था। ऐसे में इन दोनों टीमों फ्रांस और ग्रेट ब्रिटेन के बीच सीधे फाइनल मैच का आयोजन किया गया था। फ्रांस की टीम में शामिल खिलाड़ियों में एफिल टावर के निर्माण में काम करने वाले मजदूर भी शामिल थे।

केवल दो दिन तक चला था क्रिकेट का खेल

पेरिस में 1900 में दूसरे ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया था जो छह महीने तक चले थे। इसमें क्रिकेट का खेल केवल दो दिन तक चला था जिसमें चार पारियों में 366 रन बने थे। इस क्रिकेट मैच का आयोजन वेलोड्रोम डी विन्सेनेस के अंदर किया गया था। इस साइकलिंग ट्रैक में बाउंड्री 30 मीटर से भी छोटी थी। इस मैच में अगर 24 खिलाड़ी भाग ले रहे थे तो दर्शकों की संख्या 20 से भी कम थी।

26 रन पर आउट हो गई थी टीम

आर हॉर्न, एच टेरी, डब्ल्यू एंडरसन, डी रॉबिन्सन, डब्ल्यू ब्राउनिंग सप्ताहांत में क्रिकेट खेला करते थे। उन्होंने फ्रेंच एथलेटिक क्लब यूनियन की स्थापना की थी जिसमें फ्रांस में बसे ब्रिटिश लोग शामिल थे। अपनी आजीविका के लिए ये खिलाड़ी एफिल टावर के निर्माण कार्य में मजदूरी करते थे। ऐसे में अगर फ्रांस की टीम 184 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 26 रन पर आउट हो गई तो किसी को हैरानी नहीं हुई। उसका कोई भी खिलाड़ी दोहरे अंक में नहीं पहुंचा था। ग्रेट ब्रिटेन ने खेल समाप्त होने से पांच मिनट पहले 158 रन से जीत दर्ज की थी। इस तरह से ग्रेट ब्रिटेन ने क्रिकेट में स्वर्ण पदक जीता जबकि फ्रांस की टीम को रजत पदक दिया गया।

आधिकारिक मान्यता 1912 में मिली

दिलचस्प बात यह है कि क्रिकेट में जीते गए इन पदकों को आधिकारिक मान्यता 1912 में जाकर मिली थी। खिलाड़ियों को पदक मिले थे या नहीं इसका कोई आधिकारिक सबूत नहीं है। एजे श्नीडाउ और एफ रोक्स खुद को भाग्यशाली मानेंगे कि अल्पसंख्यक होने के बावजूद दोनों को फ्रांस की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। फ्रांस की टीम में इसके अलावा 10 अंग्रेज खिलाड़ी शामिल थे। पहला टेस्ट मैच भले ही 1877 में खेला गया था लेकिन ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच खेले गए ओलंपिक फाइनल में 12-12 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इसमें 22 खिलाड़ी ब्रिटिश मूल के थे। इंग्लैंड में तब क्रिकेट समय बिताने के लिए खेला जाता था।

दिलचस्प था चयन

ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के चयन का तरीका भी दिलचस्प था। केवल उन्हीं खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया जिन्हें अपने काम से 14 दिन की छुट्टी मिली थी। फ्रांस की टीम में 10 अंग्रेज खिलाड़ी और दो स्थानीय खिलाड़ी शामिल थे। ग्रेट ब्रिटेन के मोंटागु टोलर ने नौ रन देकर सात विकेट लिए और वह इस फाइनल में खेलने वाले उन दो खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेली थी। इस मैच में खेलने वाला अन्य प्रथम श्रेणी क्रिकेटर अल्फ्रेड बोवरमैन था।

हम आगामी मैचों में जीत का सिलसिला जारी रखेंगे : पैट कमिंस

लाहौर। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने एकदिवसीय विश्व कप में पहली जीत दर्ज करने पर खुशी जाहिर करते हुए अपने गेंदबाजों की जमकर प्रशंसा की जिन्होंने श्रीलंका को सोमवार को यहां खेले गए मैच में अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठाने दिया। कुसल परेरा (78) और पथुम निसंका (61) के बीच पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी की मदद से श्रीलंका एक समय बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रहा था लेकिन आखिर में उसकी टीम 209 रन पर आउट हो गई।

ऑस्ट्रेलिया ने 88 गेंद शेष रहते ही पांच विकेट से जीत दर्ज की। कमिंस ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने बहुत अच्छी शुरुआत की थी लेकिन जिस तरह से हमारे गेंदबाजों ने गेंदबाजी की और अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई, उनका यह प्रयास शानदार था। उन्होंने कहा कि हमने तीनों

विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया। उम्मीद है कि आगामी मैचों में हम इसे जारी रखेंगे।

श्रीलंका के कप्तान कुसल मेंडिस ने कहा कि अगर उनकी टीम में 290-300 का स्कोर बनाया होता तो परिणाम भिन्न हो सकता था। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन हमारा मध्य क्रम लड़खड़ा गया। अगर हमने 290 या 300 का स्कोर बनाया होता तो इस पिच पर वह अच्छा स्कोर होता। हम स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाए और हमने काफी गेंद खाली जाने दी। मुझे अपने बल्लेबाजों पर भरोसा है और उम्मीद है कि आगे वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जंपा ने 4 विकेट लिए और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। जंपा ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। पिछले कुछ दिन से मेरी पीठ में जकड़न थी, लेकिन मैंने आज अच्छी गेंदबाजी की। मैं पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाया था।

डब्ल्यूएफआई से हट सकता है निलंबन, माननी होगी बस एक शर्त

मुंबई । यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह द्वारा भारतीय महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न से संबंधित लंबित मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा कि अगर खिलाड़ी उनसे संपर्क करते है तो वे 'खिलाड़ियों की बात सुनेंगे। यूडब्ल्यूडब्ल्यू प्रमुख नेनाद लालोविच ने सोमवार को ये बातें कही ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और एशियाई खेलों की स्वर्ण विजेता विनेश फोगाट सहित सात पहलवानों ने आरोप लगाया था कि बृजभूषण ने महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया था। दिल्ली पुलिस ने 15 जून को छह बार के सांसद के खिलाफ विभिन्न यौन अपराध के आरोपों के तहत खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। इस बीच यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएफआई को भी तय समय सीमा में चुनाव नहीं कराने के लिए निलंबित कर दिया। लालोविच ने यहां अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के 141वें सत्र के इतर कहा कि पहलवानों के विरोध के दौरान जो कुछ हुआ, हमारी नजर उस पर थी। हमें अपने खिलाड़ियों की कुशलता की चिंता है। निलंबन की संभावनाओं में यह भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अब यह मामला भारतीय अधिकारियों द्वारा देखा जा रहा है। हम इसमें हस्तक्षेप नहीं करेंगे। हम तभी हस्तक्षेप करेंगे जब पहलवान किसी कारण से हमसे दोबारा संपर्क करेंगे। हम खिलाड़ियों की आवाज सुनते हैं।

पूजा हेगड़े

ने मोनोकिनी पहन मालदीव में लगाई आग, हॉटनेस देख फैंस के छूटे पसीने

एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी के पति और एक्टर विवेक दहिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. वो अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी चीजें फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं. हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया था. जिसकी वजह से वो ट्रोल्स के निशाने पर आ गए हैं.

एस्केलेटर पर स्टंट करते दिखे विवेक

दरअसल, विवेक ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें वो एस्केलेटर पर स्टंट करते दिख रहे हैं. वो रेगुलर तरीके से एस्केलेटर का इस्तेमाल नहीं करते नजर आ रहे हैं.

ट्रोल्स के निशाने पर विवेक

इस वीडियो पर यूजर्स कमेंट करके उन्हें ऐसा न करने की सलाह दे रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- बहुत गलत व्यवहार. बहुत सारे बच्चे और लोग आपको फॉलो करते हैं. अगर आपका वीडियो देखने के बाद वो भी ऐसा करें और दुर्घटना का शिकार हो जाएं तो क्या होगा?

विवेक ने दिया ये जवाब

इस पर विवेक ने जवाब भी दिया. उन्होंने लिखा- डियर. आजकल बच्चे इंटरनेट के लिमिटलेस दुनिया के संपर्क में हैं. इतना सब वो देखते हैं, तो सिर्फ ये ही करने की कोशिश वो क्यों करेंगे? इसके अलावा, ये किसी भी बच्चे के लिए पार्क में टहलना जैसा नहीं है. इसके लिए रेगुलर प्रैक्टिस और स्ट्रॉन्ग कोर की जरुरत है. वहीं एक यूजर ने लिखा- ऐसा नहीं करना चाहिए. कितना रिस्की है ये. और जो लोग आपको फॉलो करते हैं वो सब भी ऐसे ही करेंगे तो प्लीज आप सबको बोलो की ऐसा ट्राई न करें. हालांकि, वहीं कुछ यूजर्स विवेक के सपोर्ट में भी हैं और उनकी स्ट्रेंथ की तारीफ कर रहे हैं.विवेक के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें ये है आशिकी, एक वीर की अरदास...वीरा, ये है मोहब्बतें, कवच, नच बलिए 8 और कयामत की रात जैसे शोज में देखा जा चुका है.

मनीषा रानी

का सपना हुआ पूरा, अदाकारा ने मुंबई में खरीदा शानदार फ्लैट, वीडियो शेयर कर दिखाई झलक

बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आ चुकीं बिहार की मनीषा रानी ने एल्विश यादव और अभिषेक मल्हान को कड़ी टक्कर दी थी। भले ही उन्होंने शो की ट्रॉफी न जीत पाई हो, लेकिन उन्होंने लोगों का दिल खूब जीता है। मनीषा को बिग बॉस के घर बाद कई प्रोजेक्ट में भी देखा गया।वह कभी सिंगर टोनी कक्कड़ के साथ दिखाई दी तो कभी एल्विश यादव के साथ। मनीषा बैक टू बैक कई सारे म्यूजिक वीडियोज में नजर आ रही हैं। इस बीच अब उनका एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपने फैंस के साथ नए घर की गुड न्यूज शेयर की है और इसकी एक झलक भी दिखाई।

मनीषा रानी ने मुंबई में खरीदा नया घर

बिहार के छोटे से गांव से निकलकर आई मनीषा रानी (Manisha Rani) ने सपनों के शहर यानी मुंबई में अपना नया घर खरीद लिया है। इस वक्त अदाकारा अपने इस घर को लेकर लगातार चर्चा में है। हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल इसकी एक झलक भी शेयर की है। एक तरफ जहां वह अपने पुराने किराए वाले घर को बाय-बाय कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ नए घर में परिवार के साथ वेलकम भी कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने बताया कि अभी घर में थोड़ा काम बाकी है, लेकिन समय के साथ-साथ वह इसे भी पूरा कर लेंगी।

अदाकारा ने दिखाई पुराने घर की भी झलक

मनीषा अपने वीडियो की शुरुआत पुराने घर से करती है और कहती हैं कि इस घर ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। भले ही छोटा था, लेकिन जैसा भी था उनके लिए बहुत अच्छा था। इस घर में वह अपनी बहन और भाई के साथ पिछले डेढ़ साल से रह रही थी। इसी घर ने उनके बिग बॉस वाले सपने को भी पूरा किया।

पार्थ समथान संग नजर आएगी मनीषा

वर्कफ्रंट की बात करे तो मनीषा (Manisha Rani) रानी जल्द एक्टर पार्थ समथान के साथ नजर आएगी। हाल ही में उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें पार्थ, मनीषा की गोद में सिर रखकर लेटे थे। कहा जा रहा है कि ये आने वाला गाना एक रोमांटिक ट्रैक होगा।

मंडे की कमाई में मिशन रानीगंज ने मचाया तहलका! Fukrey 3 को पछाड़ा, Jawan के बराबर हुआ कलेक्शन

अक्षय कुमार स्टारर फिल्म मिशन रानीगंज को दर्शकों का कुछ खास रिसपॉन्स नहीं मिल रहा है. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने में भी नाकाम होती दिख रही है. 55 करोड़ के लागत से बनी यह फिल्म 11 दिनों में अपना बजट भी नहीं निकाल पाई है और ऐसे में फिल्म फ्लॉप होती नजर आ रही है. हालांकि फिल्म ने अपने दूसरे वीकेंड पर ठीक-ठाक कमाई की थी.

दूसरे शनिवार को मशन रानीगंज ने 2.05 करोड़ रुपए का कारोबार किया था और दूसरे संडे को फिल्म 2.55 करोड़ कमाने में कामयाब रही. वहीं अब मंडे यानी 11वें दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिकमिशन रानीगंज11वें दिन 1 करोड़ रुपए का कारोबार करेगी. इसी के साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 28.60 करोड़ रुपए हो जाएगा.

फुकरे 3 को दी मात, जवान के बराबर किया कलेक्शन!

मंडे को मिशन रानीगंज ने अब तक की सबसे कम कमाई की है लेकिन दूसरी फिल्मों के मुकाबले फिल्म का कलेक्शन बेहतर है. अक्षय कुमार की फिल्म ने मंडे की कमाई के मामले में बॉक्स ऑफिस पर जहां कॉमेडी ड्रामा फिल्म फुकरे 3 को मात दे दी है तो वहीं शाहरुख खान की जवान को भी बराबरी की टक्कर दी है. जहां मिशन रानीगंज और जवान मंडे को 1-1 करोड़ का बराबर की कमाई करेंगे तो वहीं फुकरे 3 सिर्फ 0.80 करोड़ में ही सिमटकर रह जाएगी.

अक्षय कुमार का वर्कफ्रंट

अक्षय कुमार के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभी उनके पास पाइपलाइन में कई फिल्में हैं. एक्टर के पास हेरा फेरी 3, वेलकम टू द जंगल, बड़े मियां छोटे मियां जैसी फिल्में हैं. इसके अलावा वे स्काई फोर्स में भी दिखाई देंगे. उनकी यह फिल्म अगले साल 2 अक्टूबर को रिलीज की जाएगी.

मां Hema Malini के बर्थडे पर Isha Deol ने शेयर की अनदेखी तस्वीरें, कहा- ड्रीम गर्ल एक ही थी, है और एक ही हो सकती है..

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल के नाम से मशहूर हेमा मालिनी आज अपना 75वां जन्मदिन मना रही हैं. वहीं इस खास मौके पर उनकी बड़ी बेटी बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल ने अपनी मां को एक खास तरीके से बर्थडे विश किया है.

मां हेमा मालिनी के बर्थडे पर ईशा देओल ने शेयर की अनदेखी तस्वीरें

वहीं इस खास मौके पर उनकी बड़ी बेटी बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल ने अपनी मां को एक खास तरीके से बर्थडे विश किया है. ईशा ने अपने सोशल मीडिया पर अकाउंट पर हेमा मालिनी के साथ कई सारी तस्वीरें शेयर करते हुए एक स्पेशल नोट लिखा है.

ईशा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इन तस्वीरों को शेयर किया है, जिसमें मां-बेटी का बेहद खूबसूरत बॉन्ड देखने को मिल रहा है. इसे शेयर करते हुए ईशा ने लंबा-चौड़ा कैप्शन भी लिखा है.

लिखा ये खास नोट

वह लिखती हैं हैप्पी बर्थडे मां. आज और हमेशा मैं आपको सेलिब्रेट करती रहूं. आप एक डिवाइन लेडी हैं, जो हमेशा अपनी शर्तों पर जीती आई हैं. आप एक पावरहाउस, एक प्यार बेटी, पत्नी, दयालु मां, प्यारी दादी, शानदार एक्ट्रेस, बेहतरीन डांसर ईमानदार पॉलिटिशियन और लिस्ट बढ़ती ही जा रही है. आप अपने माता पिता की एक प्यारी बच्ची हैं, जिसे हम सब पूजते हैं. ड्रीम गर्ल एक ही थी और एक ही हो सकती है और वह है हेमा मालिनी. आई लव यू.

एक जमाना था जब हेमा मालिनी के नाम का डंका बजता था

बता दे कि 80 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार हेमा मालिनी ने 100 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया है. एक दौर था जब इंडस्ट्री में उनके नाम का डंका बजता था. बड़े-बड़े डायरेक्टर्स-प्रोड्यूसर्स हेमा मालिनी को अपनी फिल्मों में कास्ट करना चाहते थे. वहीं उनकी बेमिशाल खूबसूरती के आज भी लाखों दीवाने हैं.